राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 06 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–131 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कानपुर हिंसा के बाद बरेली में 3 जुलाई तक लगा धारा 144

मुस्लिम धर्मगुरु ने दी है बड़े प्रदर्शन की चेतावनी

बरेली। भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा की गिरफ्तारी को लेकर कानपुर में बवाल के बाद अब शासन की निगाहें बरेली पर टिकी हुई हैं। बरेली को अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। खासकर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के ऐलान के बाद इंटेलीजेंस एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। पल पल की रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है। मौलाना से बातचीत के प्रयास किये जा रहे हैं। धरना प्रदर्शन का ऐलान बातचीत से वापस हो जाये तो ठीक नहीं तो सख्ती से निपटने की तैयारी है।

आईएमसी अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खां ने 10 जून को शहर के

इस्लामियां कालेज मैदान में धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पैगंबर ए इस्लाम की शान में गुस्ताखी करने वाली भाजपा की प्रवक्ता नुपुर शर्मा की गिरफ्तार हो जाती है तो वह धरना-प्रदर्शन का ऐलान वापस ले लेंगे। गिरफ्तारी न होने पर वह कॉलेज मैदान पर प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने मस्जिदों से ऐलान करवाकर भारी संख्या में कॉलेज मैदान पर जुटने की अपील की है। शनिवार को डीएम के धारा 144 लागू करते ही धरना-प्रदर्शन से सख्ती से निपटने के संकेत मिल गये हैं। धारा तीन जुलाई तक लागू रहेगी जबकि प्रदर्शन दस मार्च को है। शुक्रवार

पल पल की रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है। मौलाना से बातचीत के प्रयास किये जा रहे हैं।

रात को वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने बरेली के अफसरों से सीधी बात की। अधिकारी बात कर मौलाना से प्रदर्शन टालने की कवायद में जुटे हैं। शनिवार रात तक अफसरों को सफलता नहीं मिली है।

कानपुर हिंसा में खंगाले जा रहे सीसीटीवी फुटेज

कानपुर जिले के बेकनगंज क्षेत्र में शुक्रवार को दो पक्षों के बीच हुई सा में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। कानपुर हिंसा की साजिश किन-किन लोगों ने रची है, इसको लेकर भी पुलिस छानबीन कर रही है। पुलिस ने हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता हयात हाशमी समेत अब तक 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। अब तक 36 लोगों की पहचान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य संदिग्धों की पहचान की जा रही है। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस संदिग्धों के मंसूबों की जांच कर रही है। अब तक की जांच से स्पष्ट हुआ है कि कुछ लोगों ने हिंसा भड़काने की कोशिश की।

मौसम ने ली करवट, बारिश के बाद अब फिर लू के चपेट में कुछ राज्य

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। इसी बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि उत्तर पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में अगले 2-3 दिनों में लू की स्थिति का सामना करना पड़ेगा। इसका मतलब यह हुआ कि कई जगहों पर बारिश की वजह से मिली राहत ज्यादा दिन तक नहीं टिकने वाली है। दरअसल, मौसम विभाग के मुताबिक 4 जून और 5 जून को राजस्थान, जम्मू संभाग, हिमाचल, उत्तराखंड, दक्षिण पंजाब और दक्षिण हरियाणा-दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर हीटवेव की स्थिति की संभावना है। इसी तरह की स्थिति विदर्भ, झारखंड, आंतरिक ओडिशा और छत्तीसगढ़ में भी 4-6 जून तक रहेगी। इसके साथ ही दक्षिणी उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश में भी 4-8 जून तक यही स्थति रहेगी। इसके उलट पिछले दिनों में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले कुछ दिनों में बारिश के साथ-साथ गरज के साथ बारिश हुई, जिससे मई की चिलचिलाती धूप में राहत मिली, जिसमें तापमान 40 डिग्री के आसपास रहा। फिलहाल अब दिल्ली में दिन में आसमान साफ ??रहने की संभावना है और कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। हालांकि विभाग ने राजधानी में अलग-अलग स्थानों पर हीटवेव की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक रविवार को भी दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में लू सताएगी। इस दौरान हवा की गति भी 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। इसके चलते लू के थपेड़े और भी ज्यादा परेशान करेंगे। हालांकि, हवा की दिशा में बदलाव के चलते सोमवार से लू की स्थिति से राहत मिलने की संभावना है।उधर दक्षिण पश्चिमी मॉनसून तय समय से 4 दिन पहले ही पश्चिम बंगाल पहुंच गया है। ऐसे में पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

दिल्ली में शराब कारोबार पर संकट?

लाइसेंस मिलने के बाद भी खुल नहीं पाईं करीब 200 शराब की दुकानें

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आबकारी नीति के तहत लाइसेंस जारी होने के बाद भी करीब 200 शराब की दुकानें खुल नहीं पाई हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में वेंडर आर्थिक नुकसान का हवाला देकर लाइसेंस सरेंडर कर रहे हैं। सरकार ने वेंडरों की परेशानी को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 की आबकारी नीति में कुछ बदलाव किए जाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे अभी उपराज्यपाल की मंजूरी मिलनी बाकी है। इसके बाद एक जुलाई से नई आबकारी लागू की जानी है। उधर, गर्मी के बीच शराब की दुकानों पर बीयर के साथ कई प्रमुख ब्रांड की शराब का टोटा है। वेंडर्स का कहना है कि राजस्थान और यूपी की तरफ से बीयर की सीमित सप्लाई की जा रही है, जबकि गर्मी के दिनों में बीयर की बिक्री सबसे ज्यादा होती है। प्रत्येक वार्ड में तीन दुकानें खुलनी हैं - आबकारी नीति 2021-22 के तहत राजधानी के 272 वार्ड को 31 जोन में बांटा गया था, जिसमें प्रत्येक वार्ड के अंदर अनिवार्य तौर पर तीन दुकानें खोलने जाने का प्रावधान रखा था। इसी के चलते राजधानी में 849 दुकानें खोली जानी थी। 17 नवंबर 2021 को नई आबकारी नीति को लागू किया। उसके बाद से अभी तक करीब 670 दुकानों को लाइसेंस दिया जा चुका है, लेकिन करीब 200 दुकानें अभी तक खुल नहीं पाई हैं। इसमें करीब 30 से अधिक दुकानों को नक्शे के विपरीत मानते हुए नगर निगम की तरफ से सील कर दिया गया, जबकि कुछ जगहों पर स्थानीय लोगों ने शराब की दुकान को लेकर विरोध किया। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया अल्कोहल बेवरेज कंपनी के निदेशक जनरल विनोद गिरी का कहना है कि विरोध के चलते बड़ी संख्या में दुकानें नहीं खुल पाई हैं। कुछ दुकानें खुलीं तो उन्हें निगम ने सील कर दिया। इसके चलते वेंडरों का आर्थिक नुकसान हुआ है, जिस कारण 200 लोगों ने लाइसेंस सरेंडर किया है। अभी करीब 465 दुकानें ही खुली हैं।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या केस में पुलिस के हाथ खाली

नई दिल्ली। मानसा के जवाहरके गांव में गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को सात दिन बीत चुके हैं, पुलिस अभी भी हमलावरों की पहचान को लेकर अनजान है। मूसेवाला के घर मूसा गांव से लेकर अपराध स्थल तक विभिन्न जगहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने अब उस इलाके के सभी पेट्रोल पंपों और होटलों की जांच शुरू कर दी है, जहां से पुलिस को कोरोला की कई तस्वीरें मिली हैं। इसी बोलेरो का इस्तेमाल वारदात के दौरान किया गया था।

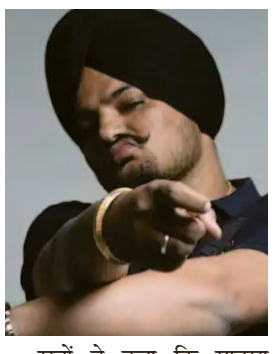

सूत्रों ने कहा कि मानसा पुलिस ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। गायक की हत्या के सिलसिले में हरियाणा के कुछ संदिग्धों से भी पूछताछ की जा रही है। कहा जा रहा है कि पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों और खुफिया एजेंसियों से संदिग्धों के बारे में जानकारी हासिल की है। पुलिस को हत्यारों का एक नया वीडियो फुटेज मिला है, जिसे मौके से गुजर रहे एक युवक ने शूट किया। 7-8 सेकंड की लंबी क्लिप में कथित तौर पर एक हमलावर को मूसेवाला के थार पर शूटिंग करते हुए दिखाया गया है। जब हत्यारों ने उस व्यक्ति को फिल्म बनाते हुए देखा तो उस पर भी गोली चला दी, लेकिन वह बाल-बाल बच गया।

पुलिस को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले

इस बीच मनसा के एसएसपी गौरव तोरा ने दावा किया कि पुलिस को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और हत्यारों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। मूसेवाला अपने दो सहयोगियों के साथ पिछले रविवार को वाहन में एक रिश्तेदार को देखने के लिए जा रहे थे, जब अज्ञात हमलावरों ने मानसा के जवाहरके गांव में उस पर लगभग 30 गोलियां चलाईं। गायक को मृत घोषित कर दिया गया, उसके दो सहयोगियों को चोटें आईं और उनका इलाज डीएमसी लुधियाना में चल रहा है।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर रोक के लिए केंद्र ने राज्यों को दिए सुझाव

पर्यावरण की बेहतरी के लिए कदम उठाने को कहा

नई दिल्ली। दुनियाभर में पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। पर्यावरण को लेकर जागरुकता पैदा करने के लिए हर साल आज के दिन ही विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

इसी के चलते पर्यावरण की बेहतरी के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने भी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को लेकर कुछ सुझाव दिए हैं। केंद्र ने चरणबद्ध तरीके से ऐसे प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने में योगदान करने के लिए यह

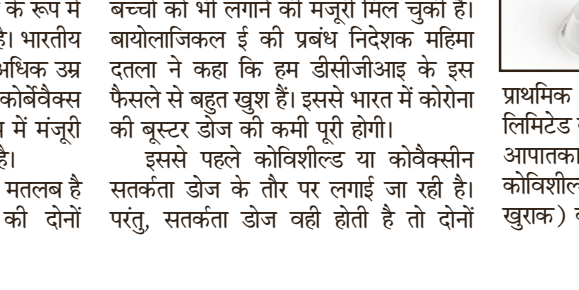

परामर्श जारी किया है। सरकार ने कहा है कि राज्यों को जल्द ही इसके लिए सख्त कदम उठाने चाहिए ताकि सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम किया जा सके।

केंद्र ने अमरनाथ-केदारनाथ, जगन्नाथ रथ यात्रा में स्वच्छता को लेकर जारी किए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र ने उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर और ओडिशा को स्थानीय स्वच्छता अभियान के 'ब्रांड एंबेसडर' की पहचान सहित कई कदम उठाने के लिए कहा है, ताकि संबंधित राज्यों में केदारनाथ यात्रा, अमरनाथ यात्रा और रथ यात्रा के दौरान उच्च स्तर की स्वच्छता सुनिश्चित की जा सके। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के सचिव मनोज जोशी ने इस संबंध में इन राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है और उनसे धर्मस्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों पर पर्याप्त संख्या में सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 29 मई को रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में केदारनाथ में

गंदगी के ढेर के बारे में चिंता व्यक्त करने के बाद यह कदम सामने आया है। मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान के मुताबिक परामर्श में सुझाव दिया गया है कि केदारनाथ और अमरनाथ यात्रियों के लिए आधार शिविर स्तर पर ही पंजीकरण के समय ही प्लास्टिक और एसयूपी (एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक की वस्तुएं) को बंद कर देना चाहिए।

मंत्रालय ने कहा कि ''स्थानीय स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर को 'स्वच्छ यात्रा के लिए नामित किया जाना चाहिए और आगंतुकों को जिम्मेदारी से व्यवहार करने और स्वच्छता बनाए रखने में मदद करने के लिए स्वच्छता के संदेशों का प्रसार करना चाहिए। बयान के अनुसार, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से राष्ट्रीय टीमों को इस सप्ताह से उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और ओडिशा में प्रतिनियुक्त किया जा रहा है, ताकि तैयारियों का जायजा लिया जा सके और स्वच्छता और कचरा प्रबंधन में सुधार के लिए सूचनाएं प्रदान की जा सके। इसमें कहा गया है कि राज्य, शहर और जिला अधिकारियों के साथ तैयारियों पर चर्चा करने के लिए अगले हफ्ते की शुरुआत में वीडियो-कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठकें निर्धारित की गई हैं।

लोग लगवा सकेंगे कार्बेवैक्स वैक्सीन, DCGI ने बूस्टर डोज के रूप में दी मंजूरी

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जारी लड़ाई में देश को एक और हथियार मिल गया है। हैदराबाद स्थित दवा कंपनी बायोलाजिकल ई की कोरोना रोधी वैक्सीन कोर्बेवैक्स को आपातकालीन स्थिति में बूस्टर डोज के रूप में उपयोग करने की अनुमति मिल गई है। भारतीय दवा महानियंत्रक ने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए इसे मंजूरी दी है। कोर्बेवैक्स मिक्स एवं मैच बूस्टर डोज के रूप में मंजूरी पाने वाली देश की पहली वैक्सीन है।

मिक्स एवं मैच बूस्टर डोज का मतलब है कि कोविशील्ड या कोवैक्सीन की दोनों प्राथमिक डोज ले चुके 18 साल और इससे अधिक उम्र के लोग अब आपातकालीन स्थिति में कोर्बेवैक्स लगवा सकते हैं। कोर्बेवैक्स को पांच साल से अधिक उम्र के बच्चों को भी लगाने की मंजूरी मिल चुकी है। बायोलाजिकल ई की प्रबंध निदेशक महिमा दतला ने कहा कि हम डीसीजीआइ के इस फैसले से बहुत खुश हैं। इससे भारत में कोरोना की बूस्टर डोज की कमी पूरी होगी।

इससे पहले कोविशील्ड या कोवैक्सीन सतर्कता डोज के तौर पर लगाई जा रही है। परंतु, सतर्कता डोज वही होती है तो दोनों

प्राथमिक डोज होती हैं। बायोलाजिकल ई. लिमिटेड की ओर से जारी बयान के मुताबिक आपातकालीन स्थिति में कोवैक्सिन या कोविशील्ड टीकों के प्राथमिक टीकाकरण (दो खुराक) के छह महीने बाद बायोलाजिकल ई. की कार्बेवैक्स कोविड-19 वैक्सीन दी जा सकती है।

हाल ही में बायोलाजिकल-ई ने डीसीजीआई के समक्ष अपना नैदानिक परीक्षण डेटा प्रस्?तुत किया था। इसके बाद डीसीजीआइ ने विषय विशेषज्ञ समिति के साथ विचार विमर्श के बाद आपातकालीन स्थिति में उन लोगों को कार्बेवैक्स वैक्सीन को हेटेरोलागस बूस्टर शाट के तौर पर लगाए जाने को अपनी स्वीकृति प्रदान की जिन्होंने पहले से ही कोविशील्ड या कोवैक्सिन की दो खुराक ले ली है। क्लिनिकल परीक्षण के आंकड़ों से पता चला है कि कार्बेवैक्स वैक्सीन की बूस्टर खुराक ने प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण वृद्धि की। उल्लेखनीय है कि डीसीजीआई की ओर से पहले ही एस्ट्राजेनेका की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सिन की दो खुराक को मंजूरी मिल चुकी है। अभी पिछले महीने ही कोर्बेवैक्स की कीमतों में भारी कटौती की गई थी। वैक्सीन की कीमत को घटा कर 250 रुपए कर दिया गया था। इसमें टैक्स और वैक्सीन लगाने की फीस नहीं शामिल है। वैक्सीन की कीमत पहले 840 रुपए निर्धारित की गई थी। मालूम हो कि अप्रैल महीने में डीसीजीआइ ने 5 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए बायोलाजिकल-ई की कोविड रोधी वैक्सीन Corbevax के आपातकालीन इस्तेमाल को मंजूरी दी थी। अब यह वैक्सीन 12 से 14 उम्र वर्ग के बच?चों को दी जा रही है। देश में 3 जनवरी से नाबालिगों के टीकाकरण की शुरुआत हुई थी तब 15 से 18 साल के किशोरों के लिए कोवैक्सिन का इस्तेमाल किया जा रहा था। 16 मार्च को अभियान का विस्तार करते हुए 12 वर्ष के अधिक उम्र के बच्चों के लिए कोर्बेवैक्स वैक्सीन का इस्तेमाल किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता। - स्वामी भजनानंद

संपादकीय

भारतीयों पर बढ़ते हमले

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

अमेरिका में इस समय लगभग 45 लाख भारतीय रह रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अगले कुछ ही वर्षों में भारतीय मूल का कोई व्यक्ति अमेरिका का राष्ट्रपति बन जाए। कमला हैरिस अभी उप-राष्ट्रपति तो हैं ही। इस समय अमेरिका में सबसे संपन्न कोई विदेशी मूल के लोग हैं तो वे भारतीय ही हैं। वैसे गोरे लोग भी कोई मूल अमेरिकी थोड़े ही हैं। वे भी भारतीयों की तरह यूरोप से आकर अमेरिका में बस गए हैं लेकिन उनका आगमन तीन-चार सौ साल पहले से शुरु हुआ है तो वे यह मानने लगे हैं कि वे गोरे लोग तो मूल अमेरिकी ही हैं। बाकी सब भारतीय, अफ्रीकी, चीनी, जापानी, मेक्सिकन आदि लोग विदेशी हैं। जो एशियाई लोग पिछले सौ-डेढ़ सौ साल से अमेरिका में पैदा हुए और वहीं रह रहे हैं, उन्हें भी गोरे लोग अपनी तरह अमेरिकी नहीं मानते। इसी का नतीजा है कि कई दशकों तक भारतीयों का अमेरिका के विभिन्न व्यवसायों में सर्वोच्च पदों तक पहुंचना असंभव लगता था लेकिन अब अमेरिका की बड़ी से बड़ी कंपनियों, प्रयोगशालाओं, शिक्षा और शोध संस्थाओं तथा यहां तक कि उसकी फौज में भी आप भारतीयों को उच्च पदों पर देख सकते हैं। भारतीयों की योग्यता, कार्यकुशलता और परिश्रम अमेरिकियों को मजबूर कर देते हैं कि उनकी नियुक्ति उन्हें उच्च पदों पर करनी होती है। भारतीयों की जीवन-पद्धति देखकर भी औसत अमेरिकी चकित रह जाता है। लेकिन भारतीयों की ये सब विशेषताएं अमेरिकी गोरों के दिल में जलन भी पैदा करती हैं। संपन्नता के लिहाज से अमेरिका में भारतीय मूल के लोग सबसे अधिक संपन्न वर्ग में आते हैं। उनके पास एक से एक बढ़िया मकान, कीमती कारें और एश्वर्य का अन्य सामान आम अमेरिकियों के मुकाबले ज्यादा ही होता है। इसी का नतीजा है कि आजकल भारतीयों के विरुद्ध अमेरिका में अपराधों की भरमार हो गई है। इन्हें अमेरिका में घृणाजन्य अपराध (हेट क्राइम) कहा जाता है। 2020 के मुकाबले 2021 में भारतीयों के विरुद्ध ऐसे अपराध 300 प्रतिशत याने तीन गुना बढ़ गए हैं। कुछ गोरे लोग भारतीयों को देखते ही उन पर गोली चला देते हैं। सड़कों और दुकानों पर उन्हें देखते ही गालियां बकने लगते हैं। भारतीयों के विरुद्ध बिना किसी कारण, बिना किसी उत्तेजना के इस तरह के अपराध इसीलिए होते हैं कि लोगों के दिल पहले से ही घृणा से लबालब भरे होते हैं। जब से डोनाल्ड ट्रंप राजनीति में आए हैं, उन्होंने एशियाई, अफ्रीकी और लातीनी लोगों के खिलाफ इस घृणा को अधिक प्रबल बनाया है। ट्रंप के इस उग्र वंशवाद का दुष्परिणाम यह भी हुआ है कि अमेरिका के कुछ प्रभावशाली टीवी चैनल इस घृणाजन्य अपराध को बढ़ावा देते रहते हैं। ज्यों ही बाइडन-प्रशासन वीजा वगैरह में ज़रा-सी ढील देता है, त्यों ही रिपब्लिकन पार्टी के कई नेता शोर मचाना शुरु कर देते हैं कि अमेरिका में गोरे लोग शीघ्र ही अल्पसंख्यक बन जाएंगे और उनका जीना हराम हो जाएगा। अमेरिका में कोरोना को फैलाने के लिए भी एशियाई लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। जो लोग भारतीयों के विरुद्ध घृणा फैला रहे हैं, क्या उन्हें पता है कि यदि आज सारे भारतीय मूल के लोग अमेरिका से बाहर निकल आएं तो अमेरिका की हवा खिसक जाएगी? ये भारतीय लोग न सिर्फ अमेरिका की संपन्नता बढ़ा रहे हैं बल्कि उसे श्रेष्ठ जीवन-पद्धति से भी उपकृत कर रहे हैं।

आज के कार्टुन

बुद्धिमत्ता

आचार्य रजनीश ओशो

बुद्धिमान व्यक्ति परंपरावादी नहीं हो सकता, पुरानी चीजों की पूजा करता नहीं रह सकता; अतीत में कुछ भी पूजा योग्य नहीं है। बुद्धिमान व्यक्ति भविष्य का निर्माण करना चाहता है, और वर्तमान में जीना चाहता है। उसके वर्तमान में जीने का ढंग, उसके भविष्य के निर्माण का ढंग है। बुद्धिमान व्यक्ति अतीत से चिपक कर उसकी लाश को ढोता नहीं रहता। वे कितनी ही सुंदर हों, कितनी ही कीमती हों, वह लाशों को ढोता नहीं। अतीत जा चुका है और वह हमेशा के लिए जा चुका। लेकिन बुद्धिहीन परंपरावादी होता है, वह पुजारी का अनुकरण करने को सदैव तैयार रहता है, वह किसी मूर्ख राजनीतिज्ञ का अनुसरण करने को तैयार रहता है, किसी भी आज्ञा को मानने को तैयार रहता है। कोई भी व्यक्ति जो सत्ता में हो, वह उसके पांवों में गिरने को हमेशा ही तैयार रहता है। बुद्धिमानी के बिना कोई प्रसन्नता नहीं हो सकती। व्यक्ति केवल तभी ही प्रसन्न हो सकता है, जब उसमें बुद्धिमत्ता हो, पूर्ण बुद्धिमत्ता। ध्यान तुम्हारी बुद्धिमत्ता को अभिव्यक्त करने का उपकरण है। तुम जितना ध्यान करते हो, उतने ही बुद्धिमान बनते हो। लेकिन यह स्मरण रहे, बुद्धिमत्ता से मेरा मतलब बौद्धिकता से नहीं है। बौद्धिकता मूर्खता का ही अंग है। बुद्धिमत्ता बिल्कुल ही एक अलग आयाम है, इसका मस्तिष्क से कोई संबंध नहीं है। बुद्धिमत्ता एक ऐसी चीज है जो तुम्हारे अंतरतम से आती है, जिसकी धारा तुमसे बहती है, और इससे तुम्हारे अंदर बहुत कुछ बढ़ने लगता है। तुम प्रसन्न रहने लगते हो, तुम सृजनात्मक होने लगते हो, तुम विद्रोही होने लगते हो, तुम साहसी होने लगते हो, तुम असुरक्षा में रहना पसंद करने लगते हो, तुम अज्ञात में छलांग को तत्पर रहते हो। तुम खतरों में जीना शुरू कर देते हो, क्योंकि जीने का केवल यही ढंग है। मूखरे के लिए बड़े राजमार्ग होते हैं, जहां भीड़ चल रही हैं, और सदियों-सदियों वे उन पर चलते ही रहे हैं, और कहीं नहीं पहुंचते, घेरे में ही घूमते रहते हैं। तब तुम्हें यह सोचने की सुविधा होती है कि तुम बहुत सारे लोगों के साथ हो, तुम अकेले नहीं हो। बुद्धिमत्ता तुम्हें अकेले होने का साहस देती है, और बुद्धिमत्ता तुम्हें सृजनात्मक होने की दृष्टि देती है। सृजनात्मक होने की महान प्रेरणा, प्रबल आकांक्षा पैदा होने लगती है। केवल तभी, उसके परिणामस्वरूप तुम प्रसन्न और आनंदित होते हो।

अपवित्र गठबंधनों से शैक्षिक गरिमा को आंच

अविजीत पाठक

एक समाज जिसने भ्रष्टाचार को लगभग सामान्य चलन ही लेना शुरू कर दिया हो, ऐसे में क्या हैरानी कि हमें शिक्षा क्षेत्र में निरंतर घोटालों के बारे में सुनने को मिले? लेकिन भ्रष्टाचार के ऐसे सामान्यीकरण के बावजूद - यहां तक कि सामाजिक स्वीकार्यता होने के बाद - जब हम पाते हैं कि एक उप-कुलपति फर्जी डिग्रियां बेचने में शामिल है या कोई मंत्री और उसके सहयोगी विद्यालयों में अध्यापक भर्ती की तमाम प्रक्रिया को तोड़-मरोड़ रहे हैं, तो ऐसे में चुप्पी साधे रखना मुश्किल हो जाता है। इस गुस्से के पीछे वजह है कि हम खुद अपनी शिक्षा की प्रभुता को तहस-नहस और शिक्षण के पेशे का अवमूल्यन कर रहे हैं, ऐसे हालात में न तो कोई हमारे बच्चों के भविष्य को बचा सकेगा और न ही उनके अंदर की रचनात्मकता को सक्रिय कर पाएगा । पैसे की पूजा करने के फेर में या फिर नए उभरते नायकों की वाहवाही करने में- जैसे कि टेक्नो मैनेजर और व्यापारी का बतौर शिक्षाविद् अवतार और राजनेताओं का बड़े उद्योगपतियों का एंजेट बनना- हम लगभग भूल चुके हैं कि ऐसा समाज जो शिक्षा की रोशनी के वाहक कहे जाने वाले अध्यापक गंवा दे, वह पहले ही अस्तित्व खो चुका होता है। आइए विगत की सुखद स्मृतियां ताजा करें। कल्पना करें उस मंजर की, जब शांति निकेतन में एक पेड़ की छांव में रबिन्द्रनाथ टेगोर और मोहनदास कर्मचंद गांधी इकट्ठा बैठे हैं और शिक्षा, संस्कृति और सभ्यता पर विमर्श जारी है, और राष्ट्र को नए सपनों और आकांक्षाओं से प्रेरित कर रहे हैं। याद करें जब नेहरू के मंत्रिमंडल में मौलाना आज़ाद सरीखे शिक्षा शास्त्री थे, जो राजनीतिक वर्ग तक के मार्गदर्शक थे। याद करें कुछ महान उप-कुलपतियों जैसे कि आशुतोष मुखर्जी और गोपालास्वामी पार्थसारथी को। स्मरण करें सीवी रामन और सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे महान प्राचार्यों का और याद करें बहुत से कम मशहूर, किंतु अत्यधिक प्रतिबद्ध अध्यापकों को, जिनके प्रेरणापुंज मारिया मोंटेस्सरी और गिजूभाई बढेका जैसी हस्तियां थीं और उनकी कोशिश रहती थी कि शिक्षा की सृजनशील बारीकियों और जिंदगी संवारने वाले सबक को मूर्त रूप दिया जा सके। सोचिए उस पीढ़ी के बारे में जिसे पाओलो फ्रेरे और इवान इल्लिच जैसी विभूतियों से संवाद करने का आंनद लेना पसंद था या जिसको जिद्दू कृष्णामूर्ति के शिक्षा संबंधी विचार सुनना अच्छा लगता था। याद करें, हमारे कुछ सबसे बेहतरीन दिमागों को - इतिहासकार, भौतिकी-शास्त्री, समाजशास्त्री - जिन्होंने मोटी पगार वाली नौकरियां छोड़कर ग्रामीण और हाशिए पर आते तबके के बच्चों के साथ काम करना चुना और प्रण लिया कि नव-भारत में अब किसी 'एकलव्य' को शिक्षा के प्रकाश से वंचित न रहना पड़े। शायद नई पीढ़ी को उपरोक्त बातों पर यकीन न होगा, क्योंकि वह पहले ही हमारे कुछ कुख्यात उपकुलपतियों की करतूतों की कहानियां सुनकर भ्रमित हुई पड़ी है। हाल ही में, हैदराबाद पुलिस ने भोपाल की सर्वपल्ली राधाकृष्णन यूनिवर्सिटी के एक वर्तमान और एक सेवानिवृत्त उपकुलपति को बीटेक से लेकर एमबीए कोर्स तक में पैसे के बदले फर्जी डिग्रियां देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में एक विश्वविद्यालय का अध्यक्ष भी 55,000 जाली डिग्रियां बेचने का आरोपी है। इस किस्म के बहु-करोड़ी घोटालों की कहानियों का कोई अंत नहीं है। फिर भी याद आ रहा है, वर्ष 2016 में पश्चिम बंगाल का वह घोटाला, जब सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में बारी से पहले भर्ती के वास्ते मेरिट सूची में हेरा-फेरी करने के लिए संबंधित विभाग के मंत्री की मिलीभगत की बात उछली थी। कोई हैरानी नहीं कि इस सिलसिले में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के उप-शिक्षा मंत्री की बेटी को हुक्म दिया कि उसने वर्ष 2018 से लेकर जो भी वेतन बतौर शिक्षक पाया है, वह लौटाया जाए। जिस विद्यालय में बतौर उप-शिक्षक उसने काम किया था, उसी के प्रांगण में घुसने तक से वर्जित किया गया। इस किस्म के भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद की निरंतर खबरों के बीच नई पीढ़ी को क्या यह यकीन होगा कि दुनिया इससे अलग भी है? शिक्षा में इस भ्रष्टाचार को हम किस तरह लें? अनेकानेक वजहें हैं -दूसरी वस्तुओं की तिजारत की तरह शिक्षा को भी व्यापार बना देने की पूरी छूट। यानि जिस तरह कोई पैसे के बदले कॉफी का प्याला पीता है वैसे ही बीटेक, बीएड, एमबीए या यहां तक एमबीबीएस डिग्री भी खरीद ले। शिक्षा क्षेत्र में राजनीतिक वर्ग और कुछ व्यापारियों का अपवित्र गठजोड़ बनने के परिणामस्वरूप मैनेजमेंट और चंदा कोटे के प्रावधान वाले घटिया दर्जे के मेडिकल कॉलेज, टेक्निकल यूनिवर्सिटियां यहां-वहां कुकुरमुत्ते की तरह उग आए। डिप्लोमा धारकों की यह पुरानी चाह रही है कि किसी भी कीमत पर उन्हें बीए-एमए यहां तक कि पीएचडी की डिग्री मिल जाए। लेकिन फिर हम जैसों का क्या - जो इंग्लिश माध्यम से पढ़े, शहरी, व्यावसायिक मध्य वर्ग से हैं ? इस शोचनीय स्थिति के लिए क्या हम कम जिम्मेवार हैं? क्या हमें शिक्षण पेशे की सच में कदर है? क्या हम अपने बच्चों को वास्तव में महान शिक्षकों से तालीम दिलवाना चाहते हैं? क्या अपने बच्चों की जरूरत की खातिर हम सड़कों पर उतरकर यह मांगें करने को तैयार हैं कि

उन्हें स्कूलों में बढ़िया पुस्तकालय, रचनात्मकता और प्रयोग आधारित शिक्षा प्रणाली और अच्छे अध्यापक मिलें, जो उनको अहसास दिलवाएं कि शिक्षा केवल इम्तिहान उत्तीर्ण करने की तकनीक न होकर आवश्यक रूप से बौद्धिक ज्ञानात्मकता एवं सुरूचिपूर्ण कलात्मकता का संगम है या वह संवेदनशीलता जो विनम्रता, सहृदयता और परोपकार जगाए। क्या हम अपनी बढ़िया सार्वजनिक यूनिवर्सिटियों को राजनेताओं की निरंतर गिद्धदृष्टि से बचाने की खातिर आवाज उठाते हैं? या फिर हमारी सोच है कि हमें क्या पड़ी है क्योंकि हमारा बच्चा तो भारत से बाहर जाकर विदेशों में आरामपूर्वक बस जाएगा? या क्या हमें केवल ब्रांडों की तलाश है, मसलन, नामी कोचिंग सेंटरों की इम्तिहान पास करवाने की रणनीति, एजूकेशन टेक्नीक कंपनियां अथवा सफलता के बने-बनाए मंत्रों वाले पैकेज। हम में से कितनों को अहसास है कि अध्यापक बच्चे को 'ए से एप्पल' या 19 गुणा 19 बराबर 361 सिखाने वाला कोई तकनीशियन नहीं है, बल्कि शिक्षक वह उत्प्रेरक है जो गणित, भौतिकी या इतिहास पढ़ाते वक्त भी बच्चे में छिपी संभावनाओं को को जगाने में लगा रहे। लगता है हमें हर चीज में बहुत जल्दी लगी है। 'सब कुछ तुरत-फुरत' वाले काल में हमें परिणाम भी झटपट चाहिए - यानि किसी भी कीमत पर मेडिकल कॉलेज की सीट या विदेशी यूनिवर्सिटी में दाखिला। कोई हैरानी नहीं, हम शिक्षण के पेशे पर हो रहे आघातों को निकृष्ट होकर देख रहे हैं और माफिया को उभरता शिक्षण उद्योग चलाने की छूट दे रहे हैं। लगता है इस बड़े रोग से छुटकारा पाने के लिए, शिक्षा बचाने की खातिर जन-आंदोलन करने के सिवा और कोई रास्ता नहीं।

- लेखक समाजशास्त्री हैं

पृथ्वी के अस्तित्व का आधार है पर्यावरण

(लेखक - डॉ. शंकर सुवन सिंह)

प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है - प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी,जल,अग्नि,वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। पृथ्वी मां स्वरुप है। प्रकृति जीवन स्वरुप है। पृथ्वी जननी है। प्रकृति पोषक है। पृथ्वी का पोषण प्रकृति ही पूरा करती है। जिस प्रकार माँ के आँचल में जीव जंतुओं का जीवन पनपता या बढ़ता है तो वहीँ प्रकृति के सानिध्य में जीवन का विकास करना सरल हो जाता है। पृथ्वी जीव जंतुओं के विकास का मूल तत्व है। प्रकृति के बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। विकास और आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना ठीक नहीं है। हम प्रकृति से दूर जा रहे हैं। झरना,नदी, झील और जंगल देखने के लिए हमें बहुत दूर जाना पड़ता है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का खामियाजा हम समय-समय पर भुगत भी रहे हैं। कभी बाढ़ आ जाती है तो कभी बादल फटते हैं। कहीं धरती में पानी सूख रहा है तो कहीं की जमीन आग उगल रही है। ये सब क्लाइमेट चेंज की वजह से ही हो रहा है। पेडों के कटने से हवा इतनी दूषित हो गई है कि शहरों में सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। ग्लोबल वार्मिंग से गर्मी अपनी चरम सीमा पर है। अत्यधिक गर्मी का पड़ना डायरिया, ब्रेन स्ट्रोक आदि बीमारियों का कारण बनता है। शहरों की लाइफ तो पर्यावरण और प्रकृति से बहुत दूर हो गई है। यहां रहने वाले लोगों को ऐसी बीमारियां हो रही हैं जो पहले न कभी सुनी और न कभी लोगों ने देखी। इन सबकी वजह कहीं न कहीं हमारी खराब होती दैनिक दिनचर्या भी है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पूरी दुनिया में पर्यावरण को बचाने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जाता है। इसीलिए हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस 2022 की थीम है - 'ओनली वन अर्थ ' यानी केवल एक पृथ्वी रखी गई है। जिसका मतलब है कि 'प्रकृति के साथ सदभाव में रहना' जरुरी है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है। जलवायु बड़े भूखंडो के लिये बड़े कालखंड के लिये ही प्रयुक्त होता है जबकि मौसम अपेक्षाकृत छोटे कालखंड के लिये छोटे स्थान के लिये प्रयुक्त होता है। पूर्व में पृथ्वी के तापमान के बारे में अनुमान बताते हैं कि यह या तो बहुत अधिक था या फिर बहुत कम। मुख्य रूप से,सूर्य से प्राप्त ऊर्जा तथा उसका हास् के बीच का संतुलन ही हमारे पृथ्वी की जलवायु का निर्धारण और तापमान संतुलन निर्धारित करती हैं। यह ऊर्जा हवाओं,समुद्र धाराओं और अन्य तंत्र द्वारा विश्व भर में वितरित हो जाती हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है। जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है। क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति,मिट्टी,जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। कहने का तात्पर्य यह है की पृथ्वी का संरक्षण तभी संभव है जब हमारा पर्यावरण शुद्ध हो। विश्व में जलवायु परिवर्तन चिंता का विषय बना हुआ है। शहरों का भौतिक विकास जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है। मृदा संरक्षण में जलवायु परिवर्तन की भूमिका अहम् होती है। अतएव समाज को प्रकृति से जोड़ने और समाज को प्रकृति के करीब लाने की आवश्यकता है। मृदा संरक्षण और प्रकृति के बारे में समुदायों को जागरूक होना होगा। पृथ्वी की सुरक्षा का घेरा है वायुमंडल। जलवायु किसी स्थान के वातावरण की दशा को व्यक्त करने के लिये प्रयोग किया जाता है। यह शब्द मौसम के काफी करीब है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है। जलवायु बड़े भूखंडो के लिये बड़े कालखंड के लिये ही प्रयुक्त होता है जबकि मौसम अपेक्षाकृत छोटे कालखंड के लिये छोटे स्थान के लिये प्रयुक्त होता है। पूर्व में पृथ्वी के तापमान के बारे में अनुमान बताते हैं कि यह या तो बहुत अधिक था या फिर बहुत कम। मुख्य रूप से,सूर्य से प्राप्त ऊर्जा तथा उसका हास् के बीच का संतुलन ही हमारे पृथ्वी की जलवायु का निर्धारण और तापमान संतुलन निर्धारित करती हैं। यह ऊर्जा हवाओं,समुद्र धाराओं और अन्य तंत्र द्वारा विश्व भर में वितरित हो जाती हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है। जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है। क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति,मिट्टी,जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। प्रकृति का पूरे मानव जाति के लिए एक सामान व्यवहार होता है। प्रकृति का सम्बन्ध धर्म विशेष से नहीं होता। अतएव सभी मानव जाति को प्रकृति को अपना मूल अस्तित्व समझना चाहिए पृथ्वी का वातावरण सूर्य की कुछ ऊर्जा को ग्रहण करता है,उसे ग्रीन हाउस इफेक्ट कहते हैं। पृथ्वी के चारों ओर ग्रीन हाउस गैसों की एक परत होती है। इन गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड,मीथेन,नाइट्रस ऑक्साइड शामिल हैं। ये गैसें सूर्य की ऊर्जा का शोषण करके पृथ्वी की सतह को गर्म कर देती है इससे पृथ्वी की जलवायु परिवर्तन हो रहा है। गर्मी की ऋतु लम्बी अवधि की और सर्दी की ऋतु छोटी अवधि की होती जा रही है। पर्यावरण की जागरूकता,जलवायु परिवर्तन की मार से बचा सकती है। अतएव हम कह सकते हैं कि शुद्ध पर्यावरण ही पृथ्वी के अस्तित्व का आधार है।

सू-दोकू नवताल -2135

	6	2	3	4		7	5	
1					5	6		
5	7						4	
				9	4	8		
4								6
			5	8	3			
	3						9	1
		6	4					7
	5	9		8	3	2	6	

सू-दोकू -2134 का हल

5	9	7	1	2	3	6	8	4
6	4	3	8	5	7	9	1	2
8	1	2	9	6	4	3	7	5
3	6	9	2	7	1	5	4	8
4	2	8	5	3	9	1	6	7
1	7	5	6	4	8	2	3	9
9	3	1	7	8	2	4	5	6
7	5	4	3	9	6	8	2	1
2	8	6	4	1	5	7	9	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2135

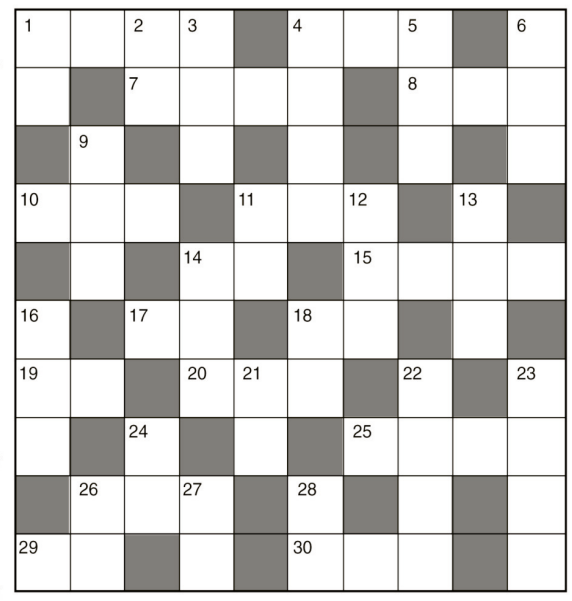

बायें से दायें:-

1. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-2,2
4. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-3
7. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-4
8. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-3
10. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-3
11. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-3
14. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-2
15. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-4
17. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-2
18. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-2
19. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-2
20. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-3
25. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-4
26. 'ये दुनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-3
29. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-2
30. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-2
2. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-2
3. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-3
4. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-4
5. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-3
6. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-3
9. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-3
11. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-2
12. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-3
13. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-3
14. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-3
16. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-3
18. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
21. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-2
22. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-4
23. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-4
24. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-2
26. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-2
27. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-2
28. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2134

दी	वा	ने		फू	ल	औ	र	कां	टे
वा		हा	सि	ल		जा		टे	
र	न		फ		शे	र	नी		झु
	सी		तु	म			य	ती	म
श	ब	न	म		स	पू	त		रू
त		र्गि		जू		र्गि		तू	
र		स	हे	ली		मा	ई	ल	व
ज	या		रा		ज		मा		र
	रा	ज	म	ह	ल		न		दा
ली	ना			म	वा	ली		डॉ	न

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय नोटों पर जल्द देखने को मिल सकती है रवीन्द्रनाथ टैगोर और अब्दुल कलाम की फोटो

नई दिल्ली । भारतीय मुद्रा यानि नकद नारायण पर जल्द ही देश के 11वें राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम और रवीन्द्रनाथ टैगोर की फोटो देखने को मिल सकती है। अब तक भारतीय नोटों पर केवल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की फोटो ही छपती आई है। अब लोगों को महात्मा गाँधी की फोटो वाले नोटों के साथ ही टैगोर और कलाम की फोटो वाले नोट भी देखने को मिल सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार जल्द ही ऐसा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) कथित तौर पर कुछ बैंक नोटों की एक श्रृंखला पर कलाम और टैगोर के वॉटरमार्क का इस्तेमाल करने पर विचार कर रहा है। रवीन्द्रनाथ टैगोर का नाम देश और दुनिया में तो लोग आदर के साथ लेते हैं ही, लेकिन बंगाल में उन्हें एक विशेष दर्जा दिया जाता है। बंगाल में बड़ी संख्या में घरों में रवीन्द्रनाथ टैगोर की तस्वीर देखी जा सकती है। वहीं, भारत के 11 वें राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम देश के एक महान व्यक्तित्वों में से एक हैं। इनकी फोटो अब महात्मा गांधी के साथ भारतीय नोटों में देखी जा सकती है। बता दें कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब आरबीआई नोटों पर महात्मा गांधी के अलावा अन्य मशहूर हस्तियों की फोटो इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। यदि आप सोच रहे हैं कि ऐसा क्यों हो रहा है, तो बता दें कि करेंसी नोटों पर कई अंकों के वॉटरमार्क को शामिल करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। यहां बता दें कि अमेरिका में विभिन्न मूल्यवर्ग के डॉलर्स में जॉर्ज वाशिंगटन, बेंजामिन फ्रैंकलिन, थॉमस जेफरसन, एंड्रयू जैक्सन, अलेक्जेंडर हैमिल्टन और अब्राहम लिंकन सहित 19 वीं सदी के कुछ राष्ट्रपतियों के चित्र हैं। सूत्रों के अनुसार आरबीआई और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मीटिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसपीएमसीआईएल) ने आईआईटी-दिल्ली के एमेरिटस प्रोफेसर दिलीप टी शाहनी को गांधी, टैगोर और कलाम वॉटरमार्क के नमूनों के दो अलग-अलग सेट भेजे हैं। साहनी को दो सेटों में से चुनने और उन्हें सरकार द्वारा अंतिम विचार के लिए पेश करने के लिए कहा गया है। वॉटरमार्क की जांच करने वाले प्रोफेसर शाहनी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंस्ट्रुमेंटेशन में माहिर हैं। उन्हें इस साल जनवरी में मोदी सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

एचपीसीएल के बोर्ड में ओएनजीसी के मनोनीत निदेशक की नियुक्ति उलझी

ओएनजीसी ने एचपीसीएल में हिस्सेदारी खरीदने 36,915 करोड़ रुपए निवेश किए

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) में हिस्सेदारी खरीदने के लिए 36,915 करोड़ रुपए निवेश किए हैं। लेकिन इसके बावजूद एचपीसीएल के बोर्ड में ओएनजीसी के मनोनीत निदेशक की नियुक्त कागजी प्रक्रिया में उलझ कर रह गई है। लगभग पांच महीने से एचपीसीएल के बोर्ड में ओएनजीसी का कोई प्रतिनिधि नहीं है। हालांकि, ओएनजीसी के पास जनवरी, 2018 से एचपीसीएल में 51.11 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एचपीसीएल अपने नए चेयरमैन पुष्प कुमार जोशी की अगुवाई में इस स्थिति के समाधान का प्रयास कर रही है। एचपीसीएल ने जनवरी, 2018 से अगस्त, 2019 यानी करीब डेढ़ साल तक ओएनजीसी को अपने प्रवर्तक के रूप में मान्यता नहीं दी थी। हालांकि, सरकार ने कंपनी में अपनी समूची 51.11 प्रतिशत हिस्सेदारी ओएनजीसी को बेच दी थी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा इस मामले में दखल दिए जाने के बाद ही एचपीसीएल ने ओएनजीसी को अपना प्रवर्तक माना था। उसके बाद ओएनजीसी को एचपीसीएल के बोर्ड में एक निदेशक की नियुक्ति का अधिकार मिला था। एचपीसीएल इसे सरकार द्वारा मनोनीत (ओएनजीसी का प्रतिनिधि) निदेशक कहती है। अधिकारियों ने बताया कि ओएनजीसी ने अपने एक निदेशक को मनोनीत निदेशक के रूप में नियुक्त किया। उसकी अंतिम मनोनीत निदेशक अल्का मित्तल निदेशक (मानव संसाधन) थीं। उन्हें अप्रैल, 2021 में एचपीसीएल के बोर्ड में नियुक्त किया गया था।इस साल जनवरी में मित्तल को ओएनजीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। कंपनी की प्रथा के अनुसार चेयरमैन किसी अनुषंगी में सिर्फ चेयरमैन के रूप में रह सकता है, निदेशक के रूप में नहीं। इसके बाद मित्तल ने निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया और एक और निदेशक को मनोनीत किया गया। एचपीसीएल ने छह जनवरी, 2022 को कहा कि अल्का मित्तल ने पांच जनवरी, 2022 से सरकार के मनोनीत निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया गया।

मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में एक और वृद्धि करेगा रिजर्व बैंक : विशेषज्ञ

मुंबई ।
बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुद्रास्फीति में कमी के कोई संकेत नहीं दिखने के बीच बुधवार को अपनी आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों में एक और बढ़ोतरी कर सकता है। विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि गवर्नर शक्तिकांत दास पहले ही इसके संकेत दे चुके हैं। केंद्रीय बैंक ने पिछले महीने बिना तय कार्यक्रम के हुई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो दर में 0.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थीं। ऐसी अटकलें हैं कि इस बार की समीक्षा में दरों में कम से कम 0.35 प्रतिशत की और बढ़ोतरी हो सकती है। विशेषज्ञ आने वाले महीनों में रेपो दर में और बढ़ोतरी का अनुमान जता रहे हैं। गवर्नर दास के नेतृत्व वाली एमपीसी की तीन दिन की बैठक सोमवार से शुरू होगी। बैठक के दौरान लिए गए फैसलों की घोषणा गवर्नर बुधवार को करेंगे।

खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में लगातार सातवें महीने बढ़ते हुए आठ साल के उच्चतम स्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसकी मुख्य वजह यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते ईंधन सहित जिंस कीमतों में बढ़ोतरी है। थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति 13 महीने से दो अंक में बनी हुई है और अप्रैल में यह 15.08 प्रतिशत के रिकॉर्ड उच्चस्तर को छू गई। दास ने हाल ही में एक टीवी साक्षात्कार में कहा, 'रेपो दरों में कुछ बढ़ोतरी होगी, लेकिन अभी मैं नहीं बता पाऊंगा कि यह कितनी होगी।' बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने एमपीसी की बैठक पर कहा कि यह समीक्षा वृद्धि और मुद्रास्फीति पर केंद्रीय बैंक के विचारों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'रेपो दर में वृद्धि तो होगी, लेकिन यह 0.25-0.35 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी, क्योंकि मई में हुई बैठक की टिप्पणियों में यह संकेत दिया गया था कि एमपीसी रेपो दर में बड़ी वृद्धि के पक्ष में नहीं थी।'

सरकार ने मुद्रास्फीति पर काबू के लिए पेट्रोल-डीजल पर शुल्क में कटौती, कुछ खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कमी और गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने सहित कई कदम उठाए हैं। बोफा सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि उसे उम्मीद है कि आरबीआई जून में रेपो दर में 0.40 प्रतिशत और अगस्त में 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगा। कुछ बड़ी कंपनियों कार्यपालक अधिकारियों ने कहा कि रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए एक बार फिर रेपो दर में वृद्धि किए जाने की संभावना है। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि दरों में बढ़ोतरी धीरे-धीरे होनी चाहिए, क्योंकि इससे रियल एस्टेट क्षेत्र की वृद्धि प्रभावित हो सकती है।

केयर्न ऑयल 2025 तक मंगला पाइपलाइन सौर ऊर्जा में बदलेगी

नई दिल्ली ।
खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांत लिमिटेड की इकाई केयर्न ऑयल एंड गैस अपने राजस्थान स्थित तेल क्षेत्रों से कच्चा तेल गुजरात ले जाने वाली पाइपलाइन को 2025 तक सौर ऊर्जा में बदलेगी। फर्म ने एक बयान में कहा कि पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केयर्न ऑयल एंड गैस मंगला पाइपलाइन को सौर ऊर्जा में बदलने का काम शुरू किया है। बयान में आगे कहा गया कि 2025 तक पाइपलाइन के साथ सभी 36 एजीआई (जमीन के ऊपर की स्थापना) में सोलर रूफटॉप पीवी को स्थापित कर दिया जाएगा। मंगला पाइपलाइन दुनिया की सबसे लंबी लगातार गर्म रहने वाली पाइपलाइन है, जो राजस्थान के तेल क्षेत्रों से गुजरात में रिफाइनरियों तक विस्तृत है और इसकी कुल लंबाई 705 किलोमीटर है। बयान में कहा गया कि कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप केयर्न बिजली के अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों पर निर्भरता कम कर रही है।

ऑल्टो का नया वर्जन लॉन्च करने की तैयारी

-नए नियम के कारण बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली ।
सबसे पॉपुलर कार ऑल्टो का नया वर्जन लॉन्च करने की तैयारी मारुति सुजुकी कर रही है। इसकी लॉन्चिंग से पहले सरकारी नियम कंपनी के आगे रोड़ा बनकर आ रहे हैं। दरअसल, सरकार ने सभी कारों में लोगों की सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग के नियम को अनिवार्य कर दिया है। एंट्री लेवल की कार में 6 एयरबैग्स का नियम परेशानी पैदा कर रहा है। ऑल्टो ही नहीं एंट्री लेवल के अन्य मॉडल्स एस-प्रेसो और रिनॉल्ट क्वीड भी इस तरह की समस्या से दो-चार हो रहे हैं। मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने नए कानून की वजह से भारत में छोटी कारों के भविष्य पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि अभी तक इस बात पर अनुसंधान चल रहा है कि छोटी कारों में छह एयरबैग कहां और कैसे फिट होंगे। एंट्री लेवल की हैचबैग को 6 एयरबैग के हिसाब से डिजाइन नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि चार एयरबैग लगाने से ही कारों की कीमतों में काफी इजाफा होगा। और यह बढ़ी हुई कीमत निश्चित ही कारों की बिक्री पर विपरीत असर डालेगी। वर्ष 2019 से गाड़ियों में एयरबैग का नियम शुरू हुआ था।

उस समय केवल ड्राइवर सीट पर एयरबैग को अनिवार्य किया गया था। इसके बाद ड्राइवर के साथ वाली पैसेंजर सीट के लिए भी एयरबैग अनिवार्य कर दिया गया। यह अनिवार्यता इसी साल जनवरी में लागू हुई। अब सरकार ने 6 एयरबैग को अनिवार्य कर दिया है।आरसी भार्गव ने बताया कि मारुति सुजुकी अपनी एंट्री-लेवल गाड़ी में चार एयरबैग शामिल करने पर काम कर रही है। 4 एयरबैग लगाने से गाड़ी कीमतों में 60,000 रुपये तक का इजाफा हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी एंट्री लेवल की गाड़ी की कीमतों में 60,000 रुपये तक का इजाफा बहुत बड़ी बढ़ोतरी होगी। इससे जो लोग एंट्री लेवल की कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं वे अपना मन बदल सकते हैं।

उन्होंने संकेत दिया कि कीमतों में इजाफे के चलते मारुति सुजुकी कुछ मॉडल्स को बंद कर सकती है। फिलहाल दो एयरबैग जोड़ने पर 30,000 रुपये तक का खर्चा आ रहा है। हालांकि, 6 एयरबैग की अनिवार्यता उन गाड़ियों के लिए है जिनमें 8 यात्री बैठ सकते हैं। यह नियम इस साल अक्टूबर से लागू होने जा रहा है।

एस्सार पावर का ट्रांसमिशन बिजनस खरीदेगा अडानी समूह

मुंबई ।
भारत के तीसरे सबसे बड़े समूह अडानी ग्रुप ने एक और बड़ी डील की है। अडानी ग्रुप मध्य भारत में एस्सार पावर का ट्रांसमिशन बिजनस खरीदने पर सहमत हुआ है। अडानी ग्रुप 1913 करोड़ रुपये में इस डील पर सहमत हुआ है। इस सौदे से अडानी ग्रुप की मध्य भारत में उपस्थिति मजबूत होगी। जबकि यह डील एस्सार ग्रुप के पावर ट्रांसमिशन बिजनस से बाहर निकलने का प्रतीक होगी। एस्सार पावर लिमिटेड अपनी दो पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट में से एक अडाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड को बेचने पर सहमत हो गई है। यह बिक्री कंपनी की ऋण चुकाने की रणनीति का एक हिस्सा है। एस्सार ने पिछले तीन वर्षों में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को 1.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर्ज चुकाया है। एस्सार पावर ने कहा कि उसने अपने दो पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट में से एक को 1,913 करोड़ रुपये में बेचने के लिए अडाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड के साथ एक निश्चित समझौता किया है। एस्सार पावर की इकाई एस्सार पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की तीन राज्यों में 465 किलोमीटर के पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट हैं।

मलेशिया से आयातित एल्युमीनियम उत्पादों पर नहीं लगेगा प्रतिपूर्ति शुल्क

नई दिल्ली । सरकार ने मलेशिया से आयातित कुछ एल्युमीनियम उत्पादों पर प्रतिपूर्ति शुल्क नहीं लगाने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने इस बारे में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों को खारिज कर दिया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने मलेशिया से विभिन्न स्वरूप में एल्युमीनियम प्राइमरी फाउंड्री अलॉय इन्गोट के आयात पर इस साल 31 जनवरी को प्रतिपूर्ति शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। घरेलू उद्योग की शिकायत के बाद डीजीटीआर ने यह सिफारिश की थी। राजस्व विभाग की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार केंद्र सरकार ने डीजीटीआर के अंतिम निष्कर्षों पर गौर करने के बाद इन सिफारिशों को खारिज करने का फैसला किया है। घरेलू कंपनियों ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि मलेशिया से एल्युमीनियम उत्पादों के सब्सिडी वाले आयात की वजह से स्थानीय उद्योग को नुकसान हो रहा है। डीजीटीआर शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। इसपर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेता है। प्रतिपूर्ति शुल्क किसी देश विशेष द्वारा सस्ते दाम या सब्सिडी वाले मूल्य पर अपने उत्पाद दूसरे देश में खपाने पर लगाया जाता है। यह शुल्क घरेलू उद्योग के संरक्षण के लिए लगाया जाता है।

तापीय कोयला की मांग 2040 तक बढ़कर 150 करोड़ टन हो जाएगी- जोशी

नई दिल्ली । वर्ष 2040 तक देश की ऊर्जा मांग दोगुनी हो जाएगी और इसे पूरा करने के लिए अगले 18 वर्षों में बिजली संयंत्रों में इस्तेमाल होने वाले कोयले की मांग बढ़कर लगभग 150 करोड़ टन हो जाएगी। कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि इस मांग को पूरा करने के साथ पर्यावरण के बारे में जागरूक होने और स्थायी खनन लक्ष्यों को ध्यान में रखने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2040 तक बिजली उत्पादन लगभग 3,000 अरब यूनिट हो जाएगा। इसी के साथ भारत में बिजली की मांग भी वर्ष 2040 तक दोगुनी हो जाएगी। इस मांग को पूरा करने के लिए 2040 तक बिजली संयंत्रों में इस्तेमाल किए जाने वाले कोयले की मांग बढ़कर लगभग 150 करोड़ टन हो जाएगी। जोशी ने नेयली में एनएलसी इंडिया लिमिटेड की अपनी पहली यात्रा के दौरान कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के विकास के साथ कोयले और लिग्नाइट पर निर्भरता को संतुलित करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं एनएलसी इंडिया ने एक बयान में कहा कि जोशी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा में कोयले के महत्व पर जोर दिया और उन्होंने कोविड-19 से लड़ने में कंपनी की भूमिका की भी सराहना की।

शेयर बाजार समीक्षा- इस सप्ताह बाजार की चाल आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा तय करेगी

वैश्विक रुझान, विदेशी कोषों के रुख और कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार भागीदारों की निगाह रहेगी

मुंबई।
इस सप्ताह अमेरिका में अप्रैल में उपभोक्ता व्यय बढ़ने और बढ़ती महंगाई की रफ्तार धीमी पड़ने से विदेशी बाजारों में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की लिवाली से डेढ़ प्रतिशत से अधिक की बढ़त पर रहे घरेलू शेयर बाजार की चाल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा से तय होगी। इसके अलावा वैश्विक रुझान, विदेशी कोषों के रुख और कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार भागीदारों की निगाह रहेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि बाजार में हाल में सुधार दिखा है, लेकिन यह अभी मजबूत नजर नहीं आ रहा है। इसकी वजह बढ़ती मुद्रास्फीति और भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक स्तर पर नीतिगत रुख को सख्त किया जाना है। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा, वैश्विक स्तर पर वृहद आंकड़े और कच्चे तेल के दाम इस सप्ताह बाजार की चाल तय करेंगे। रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों की घोषणा आठ जून को होगी। रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है, ऐसे में केंद्रीय बैंक की 'टिप्पणी' क्या रहती है, उसे देखना होगा। औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े 10 जून को कारोबार बंद होने के बाद आएंगे। जानकारों का कहना है कि वैश्विक मोर्चे पर गुरुवार को अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़े और शुक्रवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़े आने हैं। वैश्विक बाजारों की दृष्टि से ये काफी महत्वपूर्ण रहेंगे। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के दाम अभी ऊंचे हैं। यदि इनमें कमी नहीं आती, तो इससे बाजार की धारणा प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अब भी बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि, अब इसकी रफ्तार कुछ कम हुई है। यदि कच्चे तेल के दाम में तेजी से रुपया कमजोर होता है, तो उनकी बिकवाली और बढ़ सकती है। बाजार के जानकारों ने कहा कि तिमाही नतीजों का सीजन पीछे छूट चुका है। ऐसे में अब सभी का ध्यान मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर रहेगा। यह बैठक 6-8 जून तक होनी है। बाजार पहले ही नीतिगत दरों में एक और वृद्धि के लिए तैयार है। सभी का ध्यान मानसून के अनुकूल रहने के पूर्वानुमान के बीच रिजर्व बैंक की टिप्पणी पर रहेगा। न्होंने कहा कि इसके अलावा वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन और कच्चे तेल के दाम पर भी सभी की निगाह रहेगी। वृहद आर्थिक मोर्चे पर बाजार भागीदारों की निगाह 10 जून को आने वाले आईआईपी के आंकड़ों पर रहेगी। इस सप्ताह मुद्रास्फीति पर सभी की निगाह रहेगी। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के अलावा सप्ताह के दौरान चीन और अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़े भी आने हैं। इस सप्ताह रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।

सरकार के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में खर्च बढ़ने से बीओबी को होगा फायदा- चेयरमैन

नई दिल्ली । बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के चेयरमैन हसमुख अधिया ने कहा कि बुनियादी ढांचा क्षेत्र खर्च बढ़ने और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए अन्य निवेशों पर सरकार के जोर का बैंक को फायदा मिलेगा। सार्वजानिक क्षेत्र के बैंक ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा कि बैंक का वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और अन्य निवेशों पर खर्च बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं। निश्चित रूप से बैंक ऋण की मांग में वृद्धि के कारण बैंकिंग उद्योग को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बैंक ने दिखाया है कि यह बदलाव के लिए अनुकूल है और उभरती व्यापक आर्थिक स्थितियों में तेजी से प्रतिक्रिया करने में सक्षम है।

जियो ने 150 रुपए महंगा किया सस्ता प्लान, एक साल तक चलेगा

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने ग्राहकों को झटका दे दिया है। कंपनी ने अपने एक प्लान की कीमत में 150 रुपए का इजाफा कर दिया। हालांकि ऐसा सिर्फ एक ही प्लान के साथ किया गया है, बाकी रिचार्ज प्लान पहले जैसे ही बने हुए हैं। हम जिस प्लान की बात कर रहे हैं, वह खास जियो फोन यूजर्स के लिए है। दरअसल, कंपनी 4जी फीचर फोन जियो फेन को खरीदने के लिए कई प्रकार के विकल्प ऑफर करती है। ग्राहक इस फोन को खरीदने के लिए 1999 रुपए, 1499 रुपए और 749 रुपए का विकल्प चुन सकते थे। हालांकि अब कंपनी ने 749 रुपए के प्लान की कीमत बढ़ाकर 899 रुपए कर दी है। यह ऑफर उन ग्राहकों पर लागू होगा जो जियोफोन के वर्तमान यूजर हैं। अगर वह नया जियोफोन खरीदना चाहते हैं तो 899 रुपए में उन्हें जियो फोन तो मिलेगा ही, साथ ही एक साल का अनलिमिटेड प्लान भी साथ में दिया जाएगा। इसमें सालभर अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग के साथ कुल 24 जीबी डेटा मिलता है। इसके साथ जियो ऐप्स का भी मुफ्त सब्सक्रिप्शन है। 1499 रुपए का प्लान नए यूजर्स पर लागू होगा। यानी 899 रुपए वाली सुविधाएं मिलेंगी। प्लान में नए जियोफोन के अलावा एक साल के लिए वॉइस कॉलिंग के साथ कुल 24 जीबी डेटा और जियो ऐप्स का भी मुफ्त सब्सक्रिप्शन मिलता है। इसी तरह 1999 रुपए के प्लान में आपको दो साल के लाभ मिलेंगे। इसमें जियोफोन के साथ दो साल का प्लान मुफ्त दिया जा रहा है। आप दो साल तक अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग के साथ कुल 48 जीबी डेटा का लाभ उठा सकते हैं।

लगातार आठवें माह जारी रखी बिकवाली, मई में एफपीआई ने 40,000 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली ।
विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय बाजारों से निकासी का सिलसिला मई में लगातार आठवें महीने जारी रहा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा आक्रामक तरीके से दरों में बढ़ोतरी की आशंका से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। एफपीआई ने मई में भारतीय शेयर बाजारों से करीब 40,000 करोड़ रुपए की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस तरह 2022 में एफपीआई अबतक 1.69 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेच चुके हैं। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, ऊंची मुद्रास्फीति, केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक रुख में सख्ती आदि कारणों से आगे चलकर भी एफपीआई का प्रवाह उतार-चढ़ाव वाला रहने वाला है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई में शेयर बाजारों से कुल 39,993 करोड़ रुपये की निकासी की है। भारतीय बाजारों में कमजोरी की एक बड़ी वजह एफपीआई की निकासी ही है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हाल के समय में एफपीआई की बिकवाली की प्रमुख वजह अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में अधिक आक्रामक तरीके से वृद्धि की आशंका है। फेडरल रिजर्व इस साल बढ़ती मुद्रास्फीति पर काबू के लिए नीतिगत दरों में दो बार बढ़ोतरी कर चुका है। बीडीओ इंडिया के भागीदार और लीडर (वित्तीय सेवा कर) मनोज पुरोहित ने कहा इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर चिंता के बीच एफपीआई असमंजस में हैं। युद्ध की वजह से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम चढ़ रहे हैं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा नीतिगत दरों में बढ़ोतरी, वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक रुख को सख्त करने और विदेशी मुद्रा डॉलर दर में बढ़ोतरी से विदेशी निवेशक संवेदनशील बाजारों में बिकवाली कर रहे हैं।'' अक्टूबर, 2021 से मई, 2022 तक आठ माह में एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों से 2.07 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने हालांकि कहा कि अब एफपीआई की बिकवाली की रफ्तार धीमी हुई है। जून के शुरुआती दिनों में उनकी बिकवाली काफी कम रही है। उन्होंने कहा कि यदि डॉलर और अमेरिकी बांड पर प्रतिफल स्थिर होता है, तो एफपीआई की बिकवाली रुक सकती है।

टाटा स्टारबक्स की आय बीते वित्त वर्ष में बढ़कर 636 करोड़ हुई

नई दिल्ली । बीते वित्त वर्ष 2021-22 में कॉफी श्रृंखला का परिचालन करने वाली कंपनी टाटा स्टारबक्स की आय 76 प्रतिशत बढ़कर 636 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। कंपनी ने कहा है कि कोविड संबंधी अंकुश हटने के बाद उसका परिचालन सामान्य हुआ है और वह अपने घाटे को उल्लेखनीय रूप से कम करने में सफल रही है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (टीसीपीएल) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मौजूदा स्टोर से कमाई बढ़ने और वित्त वर्ष के दौरान नए स्टोर खोलने से टाटा स्टारबक्स की आमदनी में इजाफा हुआ है। टीसीपीएल ने अपने संयुक्त उद्यम के प्रदर्शन को साझा करते हुए कहा कि परिचालन आय 76 प्रतिशत बढ़कर 636 करोड़ रुपए पर पहुंच गई और कंपनी के घाटे में उल्लेखनीय कमी आई है। हालांकि कंपनी ने वित्त वर्ष के दौरान अपने घाटे का ब्योरा नहीं दिया है। बीते वित्त वर्ष में कंपनी ने 50 स्टोर खोले हैं। उसके अब 26 शहरों में कुल 268 स्टोर हो गए हैं। टाटा स्टारबक्स का गठन 2012 में हुआ था। यह स्टारबक्स कॉरपोरेशन और टाटा समूह की एफएमसीजी इकाई टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 50-50 का संयुक्त उद्यम है। वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने इक्विटी पूंजी के रूप में 86 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम को चाहिये कार्तिक जैसा विकेटकीपर : शास्त्री

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने विकेटकीपर बल्लेबाजी दिनेश कार्तिक की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि आगामी विश्वकप में वह अहम भूमिका निभा सकते हैं। आईपीएल में कार्तिक ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। पांच मैचों की यह सीरीज 9 जून से शुरू हो रही है। शास्त्री ने कहा कि हमें महेन्द्र सिंह धोनी की जगह भरने वाला विकेटकीपर चाहिए, जो फिनिशर के तौर भी काम कर सके। ऐसे में मेरा मानना है कि कार्तिक सबसे बेहतर रहेंगे। आईपीएल में कार्तिक ने आरसीबी की ओर से फिनिशर के तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया था। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183 के ऊपर रहा था।

शास्त्री ने कहा, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक के दक्षिण अफ्रीका सीरीज में अच्छा अवसर है। अगर उन्हें सीरीज में उतारा जाता है, तो वह टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनके पास लंबा अनुभव है जिसका भी उन्हें लाभ मिलेगा। आपको टीम के नजरिये से देखना होगा कि वे क्या तलाश रहे हैं। क्या वे ऐसा विकेटकीपर चाहते हैं, जो शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी करे या वे ऐसा कीपर चाहते हैं जो फिनिशर हो। मैं दूसरे विकल्प के साथ हूं। आपको एक कीपर की जरूरत है, जो धोनी की भूमिका निभाए। आप किसी ऐसे खिलाड़ी को चाहते हैं, जो एक खेल को बनाए रख सके और खत्म करे। धोनी के संन्यास लेने के बाद अभी टीम के पास बहुत अधिक फिनिशर नहीं हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि कार्तिक के पास अच्छा अवसर है। कार्तिक को यदि टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिलती है, तो वे 2010 के बाद ऑस्ट्रेलिया में टी20 के मुकाबले खेलेंगे।

हेनी ने केम्बोसोस को हराकर डब्ल्यूबीसी विश्व लाइटवेट मुक्केबाजी खिताब बरकरार रखा

मेलबर्न (एजेंसी)।

अमरीका के डेविड हेनी ने डब्ल्यूबीसी विश्व लाइटवेट मुक्केबाजी खिताब बरकरार रखा है। हेनी ने रविवार को एक ऑस्ट्रेलिया के जॉर्ज केम्बोसोस को हराकर यह मुक्केबाजी खिताब लगातार पांचवी बार अपने पास ही बनाये रखा। हेनी ने शुरुआती चार में से तीन दौर जीते और 12 दौर के मुकाबले के आधा समाप्त होने तक ही उन्होंने बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। इस दौरान केम्बोसोस के पास हेनी के प्रहारों का कोई जवाब नहीं था।

इस मुकाबले में जजों ने हेनी के पक्ष में अंकों के आधार पर आम सहमति से 116-112, 116-112 और 118-110 से फैसला दिया। इस भिड़ंत में मिली स्पष्ट जीत के साथ ही हेनी ने साबित किया है कि लाइटवेट में वह अभी भी सबसे बेहतर मुक्केबाज बने हुए हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस मुक्केबाज ने अब तक अपने सभी 28 मुकाबले जीते हैं जिसमें 15 नॉकआउट मुकाबले रहे हैं। जीत के बाद हेनी ने जमकर जश्न मनाया और केम्बोसोस की आलोचना करते हुए उसे सही चैम्पियन खिलाड़ी नहीं माना है।

अजहरुद्दीन ने पंड्या की गेंदबाजी पर संशय जताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा है कि हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी पर उन्हें अभी भी संदेह है। अजहर ने कहा, ' पंड्या में क्षमता है उन्होंने भारतीय टीम के लिए पहले भी अच्छा किया है पर लेकिन चोट के कारण वह टीम से अंदर बाहर होते रहे हैं। अब उन्होंने वापसी की है। वह अपने कोटे के चार ओवर भी पूरे कर रहे हैं पर क्या वह आगे भी इसी तरह से गेंदबाजी कर पाएंगे यह अभी देखना होगा? हम यह भी चाहेंगे कि वह गेंदबाजी जारी रखें, क्योंकि वह एक ऑलराउंडर हैं।'

पंड्या ने चोट से उबरकर आईपीएल में शानदार वापसी की है पर इसके बाद भी उनकी गेंदबाजी को लेकर संशय बना हुआ था कि वह आईपीएल में गेंदबाजी कर पाएंगे या नहीं। पिछले साल टी20 विश्व कप में हार्दिक गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। तब वह बल्लेबाजी में भी विफल रहे थे। वहीं आईपीएल के 15वें सत्र की शुरुआत में हार्दिक ने 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की। इस दौरान कुछ समय के लिए उन्होंने गेंदबाजी से दूरी भी बनायी जिसके कारण उनकी फिटनेस पर संदेह बन रहा था पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ फाइनल में हार्दिक ने तीन विकेट लेने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी कर सभी प्रकार की अटकलों पर विराम लगा दिया। अजहर ने कहा, ' आईपीएल के फाइनल में उन्होंने गेम को पूरी तरह से बदलदिया था। वह एक अच्छी प्रतिभा हैं पर उन्हें निरंतरता बनाये रखनी होगी।'

अफगानिस्तान ने पहले वनडे में जिम्बाम्वे को 60 रन से हराया, सीरीज में बनाई बढ़त

हरारे। (एजेंसी)।

रहमत शाह के 94 रन और मोहम्मद नबी के चार विकेट की बदौलत अफगानिस्तान ने यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मेजबान जिंबाब्वे को 60 रन से हरा दिया। अफगानिस्तान ने 2014 से जिंबाब्वे के खिलाफ पांच एकदिवसीय श्रृंखलाएं खेली हैं और इसमें से एक भी उसने नहीं गंवाई। मेहमान टीम ने शनिवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में एक बार फिर खुद को प्रबल दावेदार साबित किया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 276 रन बनाए और फिर मेजबान टीम को 216 रनपर ढेर कर दिया।

शाह और कप्तान हशमातुल्लाह शाहिदी ने सतर्क शुरुआत के बाद आकर्षक शॉट खेले। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 181 रन जोड़े और इस दौरान अर्धशतक भी जड़े। शाह ने 120 गेंद की अपनी पारी के दौरान तेज गेंदबाजों और स्पिनरों का अच्छी तरह सामना किया और इस दौरान सात चौके और तीन छक्के मारे। उन्हें मैन आफ द मैच चुना गया। शाहिदी ने 104 गेंद में 13 चौकों की मदद से 88 रन की पारी खेली। शाह और शाहिदी दोनों को तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी ने पवेलियन भेजा जिन्होंने 52 रन देकर चार विकेट चटकाए। इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जाइंट्स की ओर से नेट गेंदबाज के रूप में भूमिका निभाने के बाद उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हुई है। इसके जवाब में जिंबाब्वे की टीम कोई बड़ी साझेदारी नहीं कर पाई। आफ स्पिनर नबी ने 34 रन देकर चार विकेट चटकाए। आलराउंडर सिकंदर रजा ने 67 रन की पारी खेलकर हार के अंतर को कम किया लेकिन स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने उन्हें बोल्ड कर दिया। दूसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सोमवार को खेला जाएगा।

रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में मुम्बई और उत्तराखंड का मुकाबला आज

बेंगलुरू (एजेंसी)।

मुंबई की टीम का सोमवार को उत्तराखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्रिकेट के क्वार्टर फाइनल में मुकाबला होगा। 34 बार की खिताब विजेता मुम्बई को इस मैच में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है पर इस बार मुकाबला आसान नहीं है क्योंकि मुंबई इस सत्र में कड़े संघर्ष के बाद क्वार्टर फाइनल तक का पहुंची है। मुंबई के पास कप्तान पृथ्वी शॉ के अलावा कई अन्य अच्छे खिलाड़ी हैं। पृथ्वी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को धवस्त करने में सक्षम हैं। वहीं उत्तराखंड की टीम में अनुभव की कमी है जिसका लाभ भी मुम्बई को मिलेगा। मुंबई के पास अरमान जाफर, भूपेन लालवानी और हार्दिक तमोरे जैसे युवा खिलाड़ी हैं। पृथ्वी के अलावा युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। सरफराज के छोटे भाई मुशीर भी इस बार टीम में हैं। सरफराज ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसके अलावा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज आदित्य तारे और स्पिन आलराउंडर शम्स मुलानी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

सचिन को जानबूझकर चोटिल करने का प्रयास करता था : शोएब

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है कि जब वह गेंदबाजी किया करते थे तब उनका प्रयास सचिन तेंदुलकर को किसी प्रकार चोटिल करना रहता था। अख्तर ने एक साक्षात्कार में कहा कि जब भारतीय टीम 2006 में पाकिस्तान के दौरे पर थी, तब सचिन से उनका सामना हुआ था। तभी की बात याद करते हुए शोएब ने कहा कि कराची में खेले गये टेस्ट मैच में मैं जानबूझकर तेंदुलकर को चोटिल करने का प्रयास करता रहा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि एक तरफ से मैं सचिन को घायल करने की कोशिश कर रहा था। वहीं दूसरे गेंदबाज मोहम्मद आसिफ जबरदस्त गेंदबाजी कर भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बना रहे थे। शोएब और सचिन के बीच गेंद और बल्ले से कई बार जबरदस्त संघर्ष हुआ जिससे खेल का रोमांच बढ़ा था। दोनों की क्रिकेट के मैदान पर टक्कर हमेशा किस्सों के रुप में सामने आई है।

युवाओं का प्रदर्शन अच्छा, मगर सुधार की जरूरत : पीवी सिंधु

बेंगलुरु। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने कर्नाटक की ग्रां प्री बैडमिंटन लीग के लॉन्च पर कहा कि बहुत से युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अपने आप को साबित करने के लिये बहुत कुछ करना है। सिंधु ने कहा, 'एक बड़ा खालीपन है, लेकिन बहुत सारे युवा अच्छा कर रहे हैं। उबेर कप और अन्य टूर्नामेंटों में हमने आकर्षी (कश्यप) और अश्मिता (चलिहा) और कुछ अन्य खिलाड़ियों को देखा। उन्हें खुद को साबित करने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। मुझे यकीन है कि एक दिन हम उबेर कप जीतेंगे। हमें कोर्ट पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की जरूरत है और यह महत्वपूर्ण है कि हर कोई अपना 100 प्रतिशत दे।' सिंधु जुलाई में होने वाले बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले आने वाले हफ्तों में अच्छी फॉर्म में रहने और चोट मुक्त रहने की उम्मीद कर रही हैं।उन्होंने कहा, 'मेरा तात्कालिक लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में जाने से पहले सिंगापुर ओपन के अलावा इंडोनेशिया और मलेशिया मास्टर्स में खेलना है। यह आसान नहीं होने वाला है, लेकिन मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहने और चोट से मुक्त रहने की उम्मीद कर रही हूं।' उन्होंने कहा, 'इस साल मेरी शुरुआत अच्छी रही है। मैं इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची और सैयद मोदी टूर्नामेंट और स्विस ओपन जीती। मैं कोरियाई ओपन और बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी पहुंची। यह साल अब तक अच्छा रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन जारी रख सकूंगी और आने वाले दिनों में और जीत हासिल करूंगी।' राष्ट्रमंडल खेलों के बाद विश्व की नंबर सात शटलर टोक्यो की विश्व चैम्पियनशिप का रुख करेंगी।

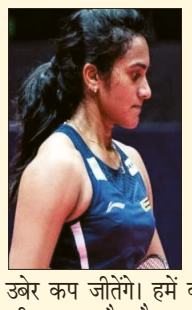

जो रूट का नाबाद शतक, इंग्लैंड ने जीता लॉर्ड्स टेस्ट

मुंबई (एजेंसी)।

लोकेश राहुल की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका के खिलंदन ़ पूर्व कप्तान जो रुट की नाबाद 115 रन की बेहतरीन शतकीय पारी की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में चौथे ही दिन रविवार को पहले सत्र में पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इंग्लैंड को मैच जीतने के लिए 277 रन का लक्ष्य मिला था। इंग्लैंड ने तीसरे दिन स्टंप्स तक पांच विकेट खोकर 216 रन बना लिए थे। उसे मैच जीतने के लिए 61 रन की जरूरत है जबकि न्यूजीलैंड को पांच विकेट की जरूरत थी। रूट और बेन फॉक्स ने कीवी टीम को कोई मौका नहीं दिया और इंग्लैंड ने पांच विकेट पर 279 रन बनाकर मैच जीत लिया। रूट 77 रन से आगे खेलते हुए 170 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 115 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे। बेन फॉक्स नौ रन से आगे खेलते हुए 92 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 32 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने अपना पांचवां विकेट 159 के स्कोर पर गंवाया था लेकिन उसके बाद से रुट और फॉक्स ने छठे विकेट की अविजित साझेदारी में 28.5 ओवर में 120 रन जोड़कर टीम को यादगार जीत दिला दी। रुट ने टिम साउदी की गेंद पर विजयी चौका मारा। न्यूजीलैंड का कोई भी गेंदबाज चौथे दिन इंग्लैंड का कोई भी विकेट नहीं गिरा पाया।

जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ठोका शतक, 10 हजार रन पूरे करने के साथ बनाए ये बड़े रिकॉर्ड्स

लंदन। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। रूट टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी और इस मुकाम को हासिल करने वाले ओवरऑल 14वें खिलाड़ी बन गए है। रूट की शतकीय पारी की बदौलत इंग्लैंड न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1–0 की बढ़त बनाई। रूट पारी के 77वें ओवर में टिम साउदी की गेंद पर इस मुकाम तक पहुंचे। इसके साथ ही वह अपना 26वां टेस्ट शतक भी पूरा कर लिया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक अन्य अंग्रेजी खिलाड़ी हैं जिन्होंने 10,000 या उससे अधिक रन बनाए हैं। उन्होंने 161 टेस्ट में 45.35 की औसत से 12,472 रन बनाए हैं। उन्होंने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 33 शतक और 57 अर्धशतक भी बनाए। अब इस मुकाम पर पहुंचने के बाद रूट उन खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं जिन्होंने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 10,000 या उससे अधिक रन बनाए हैं।

नेशन्स लीग: हंगरी ने इंग्लैंड को हराया, इटली और जर्मनी का मैच ड्रॉ

रोम। इंग्लैंड को हंगरी के खिलाफ छह दशक में पहली शिकस्त का सामना करना पड़ा जब नेशन्स लीग फुटबॉल के ग्रुप सी मुकाबले में टीम शनिवार को यहां 0-1 से हार गई। रीस जेम्स के फाउल के बाद हंगरी को दूसरे हाफ के 66वें मिनट में पेनल्टी मिली जिसे डोमीनिक सोबोसलाई ने गोल में बदलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। जेम्स ने सोबोसलाई के खिलाफ ही फाउल किया था। हंगरी ने पिछली बार इंग्लैंड को 1962 विश्व कप के दौरान हराया था। इसके बाद इंग्लैंड की टीम हंगरी के खिलाफ 15 मैच से अजेय थी लेकिन शनिवार को यह क्रम टूट गया। पेनल्टी शूट आउट में मिली शिकस्त को छोड़ दिया जाए तो इंग्लैंड की पिछले 23 मैच में यह पहली हार है। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में जर्मनी और इटली ने 1-1 से मुकाबला ड्रॉ खेला। इस मुकाबले में लोरेंजो पेलेग्रिनी और जोशुआ किमिच ने तीन मिनट के भीतर गोल दागे। लोरेंजो ने 70वें मिनट में इटली को बढ़त दिलाई लेकिन तीन मिनट बाद जोशुआ ने स्कोर 1-1 कर दिया जिसके बाद दोनों में से कोई भी टीम विजयी गोल नहीं दाग सकीं। लीग बी में आर्मेनिया ने एडवर्ड स्पर्टस्यान के दूसरे हाफ में दागे गोल की बदौलत आयरलैंड को 1-0 से हराया। फिनलैंड और बोस्निया एवं हर्जेगोविना ने 1-1 से ड्रॉ खेला जबकि मोंटेनेग्रो ने रोमानिया को 2-0 से हराया। लीग सी में तुर्की ने फेरो आइलैंड को 4-0 से शिकस्त दी जबकि लग्जमबर्ग ने लिथुआनिया को 2-0 से हराया।

वेस्टइंडीज ने नीदरलैंड को तीसरे एकदिवसीय में भी हराकर 3-0 से क्लीन स्वीप किया

एसटर्डम (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज ने तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी नीदरलैंड को 20 रन से हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। नये कप्तान निकोलस पूरन ने इसी के साथ ही जीत के साथ शुरुआत की है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए मेयर्स और शेमराह ब्रुक्स के शतकों की सहयता से 5 विकेट पर 308 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम के बल्लेबाजों ने भी जवाब में जुझारु प्रदर्शन करते हुए 288 रन बनाए पर वह कुछ रनों के अंतर से जीत हासिल नहीं कर पायी। वेस्टइंडीज की ओर से शेमरान लुईस ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि अकील हुसैन को 2 विकेट मिले। वेस्टइंडीज की पारी के दौरान शाई होप 24 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद काइल मेयर्स और शेमराह ब्रुक्स ने दूसरे विकेट के लिए 184 रनों की साझेदारी कर स्कोर 250 रन तक पहुंचाया। मेयर्स ने 106 गेंद पर 120 रन बनाए। वहीं ब्रुक्स 115 गेंद पर 101 रन बनाकर अंत तक आउट नहीं हुए। बोनर 16 गेंद पर 19 रन बनाकर नाबाद रहे। मेयर्स और ब्रुक्स दोनों ने ही एकदिवसीय में अपना पहला शतक लगाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने भी अच्छी शुरुआत की। विक्रमजीत सिंह और मैक्स डॉड ने पहले विकेट के लिए 98 रन बनाये। विक्रमजीत 55 गेंद पर 54 रन बनाकर काइल मेयर्स का शिकार बने। वहीं नंबर-3 पर उतरे मुसा अहमद ने भी 42 रन बनाए। टीम का स्कोर एक समय 2 विकेट पर 206 रन पहुंच गया था और टीम के पास जीत का अच्छा मौका था पर इसके बाद के बल्लेबाज अपने विकेट संभाल नहीं सके और 49.5 ओवर में पूरी टीम 288 रनों पर सिमट गयी।

फ्रेंच ओपन 2022: कैरोलिन और क्रिस्टीना ने जीता महिला युगल का खिताब

पेरिस। फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया और क्रिस्टिना म्लादेनोविच की जोड़ी ने रविवार को यहां कोको गॉफ और जेसिका पेगुला की अमेरिकी जोड़ी को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम महिला युगल खिताब अपने नाम किया। कैरोलिन और क्रिस्टिना की यह रोलां गैरां पर दूसरी महिला युगल चैम्पियनशिप है। इस जोड़ी ने 2016 में भी यहां खिताब जीता था। कैरोलिन और क्रिस्टिना की जोड़ी ने एकल वर्ग की उप विजेता गॉफ और पेगुला की जोड़ी से फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-6, 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की। अठारह वर्षीय गॉफ शनिवार को महिला एकल फाइनल में इगा स्वियातेक से हार गयी थीं। गॉफ और पेगुला पहली बार एक साथ मेजर युगल स्पर्धा में खेल रही थीं। वहीं क्रिस्टिना की यह छठी ग्रैंडस्लैम महिला युगल ट्राफी है जिसमें से वह चार टिमिया बाबोस के साथ जीती हैं।

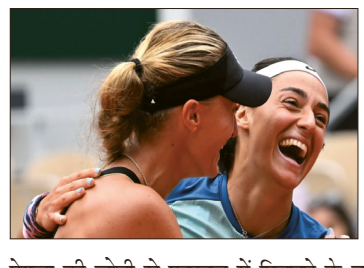

कितने साल ओर खेलूंगा कह नहीं सकता : उमेश यादव

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव ने आईपीएल के 15 वें सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था पर इस गेंदबाज का कहना है कि वह कितने साल और खेल सकेंगे। यह कह नहीं सकते। उमेश ने कहा, यह कहना कठिन है कि मैं अगले पांच साल खेलूंगा या नहीं। मैं हर गुजरते साल के साथ अपने छोटे-छोटे लक्ष्यों हो हासिल करने के बारे में सोचता हूं। मैं 33 का हूं और तीन साल के बाद जब 36 साल का हो जाऊंगा, तो बहुत कुछ इस बात पर आधारित रहेगा कि मेरा शरीर कितना साथ देता है। मैं चोट मुक्त रहता हूं और मेरा शरीर ठीक रहता है तो ठीक बात है पर जब आप घायल हो जाते हैं, तो आपको ठीक होने के बारे में सोचना होता है। इसलिए अभी मैं केवल अच्छा क्रिकेट खेलने और देश के लिए कई और टेस्ट मैच खेलने के बारे में सोच रहा हूं।

उमेश ने साथ ही कहा, अभी मैं नहीं कह सकता कि 100 टेस्ट खेलूंगा या नहीं, लेकिन मैं जितना हो सके खेलने का प्रयास करूंगा। टेस्ट खेलने में एक अलग तरह का जुनून होता है। इसा अपना विशेष प्रभाव पड़ता है जब आप कहते हैं, 'मैंने देश के लिए 70-80 टेस्ट मैच खेले हैं'। लोग सोचते हैं कि आपमें कुछ खास है, जिसने आप यहां तक पहुंचे हैं।

वहीं पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने उमेश की प्रशंसा करते हुए कहा , उन्होंने शानदार वापसी की है। कुछ खिलाड़ियों को वास्तव में सही टीम में होने से लाभ होता है और उमेश के साथ ऐसा लगता है कि उन्हें केकेआर के लिए खेलने में आनंद आया। इस टीम ने उन्हें आत्मविश्वास दिया। यह वही उमेश हैं, जिन्हें हम जानते थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

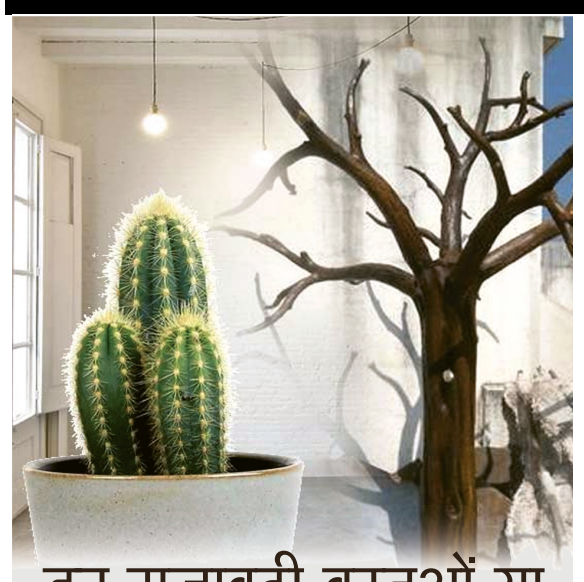

इन सजावटी वस्तुओं या कलाकृतियों को घर में रखने से होगा नुकसान

आजकल घर में भारतीय संस्कृति के अनुसार परंपरागत सजावट नहीं की जाती है। पाश्चात्य संस्कृति के चलते कई तरह की नकली सजावट का भी प्रचलन बढ़ गया है। ऐसे में जानिए कि वास्तुशास्त्र के अनुसार कौन सी 5 सजावटी वस्तुएं या कलाकृतियां नुकसान पहुंचा सकती है।

कांटेदार पौधे

कुछ लोग घर को कलात्मक लुक देने के लिए नकली या कांटेदार पौधे लगा लेते हैं अतः घर में कांटेदार पेड़-पौधे न लगाएं, इससे पारिवारिक संबंधों में भी कांटों-की-सी चुभन पैदा होने लगती है।

पुरानी टूटी वस्तुएं

कई लोग पुरानी या फालतू चीजों से भी अपना घर सजाते हैं, जो कि गलत है। ऐसी वस्तुएं घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। वास्तु के अनुसार जब घर में नकारात्मक ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

नकारात्मक पेंटिंग

बहुत से घरों में देखा गया है कि जहां ऐसी पेंटिंग लगी होती है जिसमें क्या है यह कोई नहीं जानता या उसमें खंडहर, सूखे ठूंठ, मानवरहित उजाड़ शहर, बिखरा हुआ घर या सूखा बंजर पहाड़ नजर आता है। ऐसी पेंटिंग नकारात्मकता फैलाती है।

कलाकृतियां

आजकल कलाकृतियों के नाम पर कुछ ऐसी वस्तुएं घर में होती है जिसमें सूखे ठूंठ, प्लास्टिक के नकली पेड़ या कोई ऐसी कलाकृति जिसे अश्लीलता झलकी हो। यह सभी मृतप्रायः सजावटी कलाकृतियां जो मानी तो जाती हैं कलात्मक लेकिन वास्तु शास्त्र अनुसार ये सभी नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती हैं।

चित्र

घर में ताजमहल, जंगली वह हिंसक जानवर, रोते हुए बच्चे, नंगे बच्चे, युद्ध के दृश्य, कटे पेड़ या ठूंठ आदि के चित्र न लगाएं। इसके अलावा अभिनेता या अभिनेत्रियों के चित्र, बाइक, कार, मॉडल या अपने गुरु का बड़ा-सा चित्र भी न लगाएं।

तुलसी के चमत्कार

तुलसी के विभिन्न प्रकार के पौधे मिलते हैं- जैसे श्रीकृष्ण तुलसी, लक्ष्मी तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, नील तुलसी, श्वेत तुलसी, रक्त तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी आदि। आओ जानते हैं कि हिन्दू धर्म में क्या है तुसली का महत्व।

- भगवान विष्णु को सबसे प्रिय है तुलसी का पत्ता। भगवान को जब भोग लगाते हैं या उन्हें जल अर्पित करते हैं तो उसमें तुलसी का एक पत्ता रखना जरूरी होता है।
- तुलसी का पत्ता खाते रहने से किसी भी प्रकार का रोग और शोक नहीं होता। प्रतिदिन 4 पत्तियां तुलसी की सुबह खाली पेट ग्रहण करने से मधुमेह, रक्त विकार, वात, पित्त, कैंसर आदि दोष दूर होने लगते हैं।
- तांबे के लोटे में एक तुलसी का पत्ता डालकर ही रखना चाहिए। तांबा और तुलसी दोनों ही पानी को शुद्ध करने की क्षमता रखते हैं। दूषित पानी में तुलसी की कुछ ताजी पत्तियां डालने से पानी का शुद्धिकरण किया जा सकता है।
- तुलसी के समीप आसन लगाकर यदि कुछ समय प्रतिदिन बैठा जाए तो श्वास व अस्थमा जैसे रोग आदि से छुटकारा मिल जाता है।
- वास्तु दोष को दूर करने के लिए तुलसी के पौधे को अग्नि कोण से लेकर वायव्य कोण तक के खाली स्थान में लगा सकते हैं। यदि खाली जमीन न हो तो गमलों में भी तुलसी लगा सकते हैं।
- ऐसा कहते हैं कि यदि आपके घर में कोई संकट आने वाला है तो सबसे पहले तुलसी को इसका ज्ञान होगा और वह सूख जाएगी। आप उस पौधे का कितना भी ध्यान रखें, धीरे-धीरे वह पौधा सूखने लगता है।

इन शुभ प्रतीकों के बिना अधूरे हैं श्याम

भगवान श्रीकृष्ण का रूप अनोखा है। करुपदेश का राजा पौंड्रक भी श्रीकृष्ण जैसे ही रूप रखकर खुद को वह विष्णु का अवतार मानता था। आओ जानते हैं श्रीकृष्ण के शुभ प्रतीकों के बारे में।

- बांसुरी : ढोल मृदंग, झांझ, मंजीरा, ढप, नगाड़ा, पखावज और एकतारा में सबसे प्रिय बांस निर्मित बांसुरी भगवान श्रीकृष्ण को अतिप्रिय है। इसे वंसी, वेणु, वंशिका और मुरली भी कहते हैं। बांसुरी से निकलने वाला स्वर मन-मस्तिष्क को शांति प्रदान करता है। जिस घर में बांसुरी रखी होती है वहां के लोगों में परस्पर तो बना रहता है साथ ही सुख-समृद्धि भी बनी रहती है।
- मोर पंख : मोर पंख भगवान कार्तीकेय का प्रतीक है। हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है। भगवान श्रीकृष्ण मोर पंक्ष को अपने मुकुट में लगाते हैं। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है। हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है।
- गाय : भगवान श्रीकृष्ण एक गोपालक थे। गाय उनका सबसे प्रिय पशु है। उन्हीं के कारण गोपद्मम व्रत, गोवत्स द्वादशी व्रत, गोपाष्टमी आदि व्रत एवं त्योरार मनाए जाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने गाय के महत्व को बढ़ाने के लिए गाय पूजा और गौशालाओं के निर्माण की नए सिरे से नींव रखी थी। भगवान बालकृष्ण ने गाएं चराने का कार्य गोपाष्टमी से प्रारंभ किया था। हिन्दू धर्म के अनुसार गाय में 33 कोटि देवी-देवता निवास करते हैं।
- वैजयंती माला : वैजयंती के फूल और माला अति शुभ और पवित्र है। भगवान विष्णु और लक्ष्मी को यह अति प्रिय है। श्रीकृष्ण को यह माला अत्यन्त प्रिय है। भगवान श्रीकृष्ण हमेशा अपने गले में इसे धारण करते थे।
- माखन मिश्री : भगवान श्रीकष्ण को माख और मिश्री भी बहुत ही प्रिय है। उन्हें माखन और मिश्री का भोग लगाने से वे प्रसन्न हो जाते हैं।
- पीतांबर वस्त्र : भगवान श्रीकृष्ण को पीतांबरधारी भी कहा जाता है क्योंकि वह पीतांबर वस्त्र पहनते हैं। पीतांबर अर्थात पीले रंग का वस्त्र। यह रंग बृहस्पति का रंग भी है।
- सुदर्शन चक्र : भगवान श्रीकृष्ण को चक्रधारी भी कहते हैं। महाभारत काल में मात्र उन्हीं के पास चक्र था जिसे सुदर्शन चक्र कहते हैं। कहते हैं कि यह चक्र उन्हें भगवान परशुराम से मिला था। हालांकि वे तो स्वयंव विष्णु ही है।
- चंदन : चंदन मुख्यतः कई प्रकार के होते हैं- हरि चंदन, गोपी चंदन, सफेद चंदन, लाल चंदन, गोमती और गोकुल चंदन। चंदन का तिलक लगाने से पापों का नाश होता है, व्यक्ति संकटों से बचता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है, ज्ञानतंतु संयमित व सक्रिय रहते हैं। चंदन का तिलक ताजगी लाता है और ज्ञान तंतुओं की क्रियाशीलता बढ़ाता है।
- पाञ्चजन्य शंख : महाभारत में लगभग सभी योद्धाओं के पास शंख होते थे। उनमें से कुछ योद्धाओं के पास तो चमत्कारिक शंख होते थे, जैसे भगवान कृष्ण के पास पाञ्चजन्य शंख था जिसकी ध्वनि कई किलोमीटर तक पहुंच जाती थी।
- मणि : स्यमंतक मणि के कारण भगवान श्रीकृष्ण को चोरी का आरोप झेलना पड़ा था। कहते हैं कि वह मणि जामवंतजी के पास थी। जामवंती जी से लाकर उन्होंने अक्रूरजी को दे दी थी। हालांकि श्रीकृष्ण के मुकुट में कई मणियां जड़ी होती थीं। भगवान विष्णु कौस्तुभ मणि धारण करते हैं।

रूरू भैरव की पूजा से घर में बढ़ती है खुशहाली

मुख्यतः काल भैरव और बटुक भैरव की पूजा का प्रचलन है। श्रीलिंगपुराण 52 भैरवों का जिक्र मिलता है। मुख्य रूप से आठ भैरव माने गए हैं- 1.असितांग भैरव, 2.रुद्र या रूरू भैरव, 3.चण्ड भैरव, 4.क्रोध भैरव, 5.उन्मत्त भैरव, 6. कपाली भैरव, 7.भीषण भैरव और 8. संहार भैरव। आदि शंकराचार्य ने भी 'प्रपञ्च-सार तंत्र' में अष्ट-भैरवों के नाम लिखे हैं। तंत्र शास्त्र में भी इनका उल्लेख मिलता है। इसके अलावा सप्तविंशति रहस्य में 7 भैरवों के नाम हैं। इसी ग्रंथ में दस वीर-भैरवों का उल्लेख भी मिलता है। इसी में तीन बटुक-भैरवों का उल्लेख है। रुद्रायमल तंत्र में 64 भैरवों के नामों का उल्लेख है। आओ जानते हैं भगवान रुद्र या रूरू भैरव की संक्षिप्त जानकारी।

कौन है रूरु भैरव

रुरु भैरवः भैरव का रुरु (गुरु) रूप अत्यंत प्रभावी व आकर्षक है। उनके हाथों में कुल्हाड़ी, पात्र, तलवार और कपाल है तथा उनकी कम में एक सर्प लिपटा हुआ है बैल पर सवारी करते हैं और इनकी पूजा से ज्ञान की प्राप्त होती है। इनकी पत्नी का नाम माहेश्वरी है। ब्रह्मवैवर्त पुराण अनुसार रूरु भैरव की उत्पत्ति श्रीकृष्ण के दाहिने नेत्र से हुई थी।

मंदिर : तंत्रसार और ब्रह्मवैवर्त पुराण के प्रकृति खंडान्तर्गत दुर्गोपाख्यान में आठ पूज्य निर्दिष्ट हैं-महाभैरव, संहार भैरव, असितांग भैरव, रूरू भैरव, काल भैरव, क्रोध भैरव, ताम्रचूड भैरव, चंद्रचूड भैरव। काशी में अष्ट भैरव के मंदिर है जिसमें रूरू भैरव का मंदिर हनुमान घाट हरिश्चन्द्र घाट के निकट ही है। इनका खास मंदिर रत्नगिरीश्वर (तमिलनाडु) में है। रूरु भैरव का पूर्व दक्षिण दिशा के स्वामी और कार्तिक नक्षत्र है। इनका रत्न माणिक है।

इनकी पूजा से मिलती ये कृपा

भैरवजी का यह रूप विशेष दौर पर संपत्ति, धन और समृद्धि प्रदान करने वाला है। इन भैरव की उपासना करने से नौकरी और रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। घर में प्रेमपूर्ण वातावरण निर्मित होता है। जीवन में हर प्रकार के संकट से रक्षा होती है।

इनका मंत्र है : ऊँ भं भं हरौं रूरु भैरवाये नमः।।

पुलस्त्य ऋषि कौन थे

वैदिक काल में हजारों ऋषि मुनि हुआ करते थे। उन्हीं में से एक थे पुलस्त्य ऋषि। कई लोग इन ऋषि के बारे में बहुत कम ही जानते हैं। आओ जानते हैं कि यह ऋषि कौन थे।

- पुलस्त्य पुलस्ति ऋषि को ब्रह्मा के मानस पुत्रों में से एक माना जाता है। कर्दम प्रजापति की कन्या हविर्भुवा से इनका विवाह हुआ था। कहते हैं कि ये कनखनल के राजा दक्ष के दामाद और भगवान शंकर के साढू थे। यह भी कहते हैं कि सती दाह के बाद जब दक्ष यज्ञ का विध्वंस किया गया तो ये जलकर मर गए थे।
- वैवस्वत मनु के मन्वंतर में ब्रह्मा के सभी मानस पुत्रों के साथ पुलस्त्य का भी पुनर्जन्म हुआ था। एक बार से मेरु पर्वत पर तपस्या कर रहे थे तो अप्सराएं इन्हें परेशान करती थी तो इन्होंने क्रोधवश श्राप दे दिया कि जो भी महिला इनके सामने आएगी वह गर्भवती हो जाएगी।
- एक बार वैशाली के राजा की पुत्री इडविला भूलवश इनके सामने आकर गर्भवती हो गई। इसके बाद उसका पुलस्त्य से विवाह हुआ और फिर एक पुत्र का जन्म हुआ जिसका नाम विश्रवा रखा गया। दशानन रावण इन्हीं विश्रवा का पुत्र और पुलस्त्य का पौत्र था।
- कहते हैं कि विश्रवा नर्मदा के किनारे रहते थे। हालांकि पुलस्त्य का निवास भी वहीं रहा होगा ऐसा अनुमान लगाया जा सकता है।
- महाभारत में दुर्योधन कलियुग का अंश था तो उसके 100 भाई पुलस्त्य वंश के राक्षस के अंश से थे। वायु पुराण (705165) में राक्षसों को पुलह, पुलस्त्य, कश्यप एवं अगस्त्य ऋषि की संतान माना गया है।
- पुलस्त्य ऋषि ने महाराजा शिव से निवेदन करके लंका में अपना एक तप स्थान नियुक्त किया था, तब राजा महिदंत चक्रवर्ती राजा थे। ब्रह्माजी की आज्ञा से पुलस्त्य ऋषि ने भीष्म को ज्ञान दिया था।
- पुलस्त्य ऋषि ने ही गोवर्धन पर्वत को शाप दिया था। गोवर्धन पर्वत को गिरिराज पर्वत भी कहा जाता है। 5,000 साल पहले यह गोवर्धन पर्वत 30,000 मीटर ऊंचा हुआ करता था और अब शायद 30 मीटर ही रह गया है। पुलस्त्य ऋषि के शाप के कारण यह पर्वत एक मुट्ठी रोज कम होता जा रहा है। इसी पर्वत को भगवान कृष्ण ने अपनी चींटी अंगुली पर उठा लिया था। श्री गोवर्धन पर्वत मथुरा से 22 किमी की दूरी पर स्थित है।
- वायु पुराण (705165) में राक्षसों को पुलह, पुलस्त्य, कश्यप एवं अगस्त्य ऋषि की संतान माना गया है।

5 जून से शनि ग्रह चलेगा वक्री चाल, वक्र दृष्टि से बचने के 10 उपाय

शनि ग्रह की वक्री चाल कुछ राशियों के लिए शुभ और कुछ के लिए अशुभ होती है। 5 जून 2022 से शनि ग्रह कुंभ राशि में वक्री चाल चलेंगे जो 23 अक्तूबर तक इसी वक्री अवस्था में ही गोचर करेंगे। बताया जा रहा है कि उनकी वक्री चाल से मेष, वृश्चिक, मकर और कुंभ राशियों को लाभ मिलेगा लेकिन बाकी राशियों की गोई गारंटी नहीं। आओ जानते हैं शनि की वक्र दृष्टि से बचने के 10 उपाय।

शनि से बचाव के उपाय

- शनिग्रह के दुष्प्रभाव से बचने के लिए सर्वप्रथम हनुमानजी की पूजा करें।
- शनि की शांति के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जप भी कर सकते हैं।
- तिल, उड़द, भैंस, लोहा, तेल, काला वस्त्र, काली गौ, और जूता दान देना चाहिए।
- कौवे, भैंस या कुत्ते को प्रतिदिन रोटी खिलावें।
- छायादान करें, अर्थात कटोरी में थोड़ा-सा सरसो का तेल लेकर अपना चेहरा देखकर शनि मंदिर में अपने पापों की क्षमा मांगते हुए रख आएं।
- दांत साफ रखें। नशा न करें। पेट साफ रखें।
- अंधे-अपंगों, सेवकों और सफाईकर्मियों से अच्छा व्यवहार रखकर उन्हें दान करने से भी शनि ग्रह के शुभ प्रभाव प्रारंभ हो जाते हैं।
- शनि ग्रह को शुभ करने के लिए भगवान भैरव की उपासना करें। भैरव महाराज को कच्चा दूध चढ़ाएं। भैरव महाराज के समक्ष शराब छोड़कर उन्हें शराब अर्पित करने से भी शनि के शुभ प्रभाव प्रारंभ हो जाते हैं।
- मंदिर के बाहर बैठे गरीबों को भोजन कराएं।
- काला सफेद कंबल दान करें।

शनि देव की कृपा कल्याणकारी

हनुमानजी के बाद यदि शनि ग्रह के बुरे प्रभाव से कोई बचा सकता है तो वह है भगवान भैरव। आओ जानते हैं शनि भगवान को प्रसन्न करके उनकी कृपा प्राप्त करने के सरल उपाय।

- शनि मंदिर में यदि बाहर कोई गरीब, अपंग या भीखारी हो तो उसे दान जरूर दें। नहीं दान दे सकते हो तो कम से कम उनका तिरस्कार ना करें। वहां सभी से अच्छा व्यवहार करें।
- एकाक्षरी मंत्र : मंत्र - ऊँ शं शनैश्चाराय नमः। सामान्य पूजा के दौरान इसी मंत्र को जपना चाहिए।
- अपने कर्म को रखें शुद्ध, ब्याज का धंधा न करें, पराई स्त्री के बारे में बुरा न सोचें और शराब न पिएं।
- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें। नहीं तो शनिवार के दिन हनुमान मंदिर में पाठ करें।
- शनि मंदिर में जाकर उन्हें तेल अर्पित करें और छाया दान करें। छाया दान करने का तेल अलग होना चाहिए।
- शनिवार को पीपल के पेड़ में शाम को जल चढ़ाएं और तिल के तेल का दीपक जलाएं। ऐसा कम से कम 11 शनिवार करें। मान्यता अनुसार शनि देव के दुष्प्रभाव से बचने के लिए शनिवार के दिन पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से शनिदोष खत्म होता है।
- अपने घर की वायव्य दिशा को साफ सुथरा रखें। वहां पर किसी भी प्रकार का वास्तु दोष नहीं होना चाहिए। जूते और मोजे उचित स्थान पर रखें और ध्यान रखें कि जूते और मोजे गंदे या फटे ना हों। कर्म और पेट हमेशा साफ रखें और हमेशा अपंग, गरीब और सफाईकर्मियों को भोजन कराते रहें। उपरोक्त के अलावा आप चाहें तो छाया दान, कौवे और कुत्ते को रोटी खिलाने का कार्य भी कर सकते हैं।

सार समाचार

जो बाइडेन के घर के ऊपर से गुजरा अनजान विमान, सुरक्षित जगह पहुंचाए गए अमेरिकी राष्ट्रपति

रेहोबोथ बीच (अमेरिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन डेलावेयर में रेहोबोथ बीच स्थित जिस आवास में छुट्टी बिता रहे थे, उसके निकट के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में शनिवार को एक छोटा निजी विमान गलती से प्रवेश कर गया, जिसके बाद राष्ट्रपति और प्रथम महिला को तत्काल वहां से निकाल कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। व्हाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस ने यह जानकारी दी। हालात की समीक्षा की गई और उसके बाद बाइडन और उनकी पत्नी रेहोबोथ बीच स्थित आवास में लौट आए। सीक्रेट सर्विस ने एक बयान में कहा कि विमान ह्यगलती से प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश कर गया था ह्लह्ल विमान को क्षेत्र से बाहर कर दिया गया। एजेंसी ने कहा कि वह पायलट से पूछताछ करेगी और प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वह उड़ान के मानक निदेर्शों का पालन नहीं कर रहा था। तय नियमों के अनुसार, बाइडन की इस यात्रा के एक सप्ताह पहले संघीय विमानन प्रशासन ने उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्रों के बारे में जानकारी जारी की थी।

बांग्लादेश में कंटेनर डिपो में लगी भीषण आग, अब तक 16 लोगों की मौत, 450 से अधिक घायल

ढाका। दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में एक निजी कंटेनर डिपो में शनिवार रात विस्फोट के कारण लगी भीषण आग में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 450 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। 'द डेली स्टार' समाचार पत्र ने बताया कि चटगांव के सीताकुंड उपजिला में कदमरासुल क्षेत्र स्थित बीएम कंटेनर डिपो में शनिवार रात आग लग गई। इसने कहा कि डिपो में लगी आग और उसके बाद हुए विस्फोटों में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई तथा पुलिस एवं दमकल कर्मियों समेत सैकड़ों लोग झुलस गए। 'ढाका ट्रिब्यून' ने 'रेड क्रेसेंट यूथ चटगांव' में स्वास्थ्य एवं सेवा विभाग के प्रमुख इस्ताकुल इस्लाम के हवाले से कहा, 'इस घटना में 450 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कम से कम 350 लोग सीएमसीएच (चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल) में भर्ती हैं।' इस्लाम ने मृतक संख्या के बढ़ने की आशंका जताई। दमकल सेवा सूत्रों के अनुसार, इस दौरान दमकल विभाग के भी तीन कर्मियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान का अभी पता नहीं चल पाया है।

कनाडा में बंदूकों की खरीद-बिक्री पर लगेगी लगाम, पीएम जस्टिन ट्रूडो ने पेश किया विधेयक

ओटावा । हाल ही में अमेरिका में गोलीबारी की कई घटनाएं हुई हैं। इसे लेकर अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के कई देशों की सरकारों की चिंता भी बढ़ गई हैं। कनाडा सरकार बढ़ते गन कल्चर पर लगाम लगाने के लिए कमर कस चुकी है। इस संबंध में बीते सोमवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हैंडगन की खरीद, बिक्री और उसके आयात पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक पेश किया है। इस विधेयक को कनाडा संसद से पास होना बाकी है, जहां सत्ताधारी दल के पास सीटें कम हैं। विधेयक पास हो जाने के बाद कनाडा में हैंडगन (बंदूक) खरीदना, बेचना, ट्रांसफर करना या आयात करना संभव नहीं होगा। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनकी सरकार हैंडगन पर कंट्रोल करने के लिए नया कानून ला रही है। सरकार हैंडगन के बाजार को सीमित करने जा रही है। जस्टिन ट्रूडो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह कबूल किया कि इन दिनों गोलीबारी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है।

जस्टिन ट्रूडो ने यह भी कहा कि गन कल्चर एक जटिल समस्या है, लेकिन इस पर नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने कहा हमारे समाज में जितनी कम बंदूके होंगी, उतने ही सुरक्षित हम होंगे। लोग बिना किसी डर के सुपरमार्केट, स्कूल, पार्क आदि जगहों पर जाएं, यही हमारी कोशिश होनी चाहिए। अमेरिका की तरह कनाडा में भी गोलीबारी की घटनाएं होती रही हैं। अप्रैल 2020 में नोवा स्कोटिया इलाके में सबसे भीषण सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें 23 लोगों की मौत हो गई थी। इसके कुछ दिनों बाद सरकार ने 1,500 प्रकार के मिलिट्री ग्रेड हथियारों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

भीषण आर्थिक संकट के बीच श्रीलंका में घर चलाने के लिए हजारों महिलाएं देह व्यापार के धंधे में उतरीं

कोलंबो । पड़ोसी देश श्रीलंका अपनी आजादी के बाद के सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर जा पहुंची है और लोगों के जीवन-यापन के लिए जरूरी सामान तक नहीं ले पा रही है। देश में ईंधन और दवाई जैसी मूलभूत चीजों की किल्लत पड़ गई है। देश में हालात इतने बदतर हो गए हैं कि गरीब परिवारों के पुरुषों और महिलाओं के सामने अपने परिवार का पालन-पोषण करना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

पड़ोसी मुल्क में हालात किस कदर खराब हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पैसा और नौकरी नहीं होने की वजह से कई परिवारों की महिलाएं और लड़कियों को देह व्यापार के धंधे पर उतरना पड़ा है। आर्थिक संकट की वजह से लोगों के पास खाने के लाले पड़ गए हैं। इन्हीं हालातों के चलते श्रीलंका में देह व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2022 से इस क्षेत्र में जाने के मामले में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। देह व्यापार के दलदल में प्रवेश करने वाली कई छात्राएं भी हैं।

श्रीलंका कोरोना काल के बाद से लगातार आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। छोटी छोटी नौकरी की तलाश में लोग दर दर भटक रहे हैं। दो वक्त की रोटी मिलना भी लोगों के लिए मुश्किल हो रही है। जनता की इस कदर बदतर स्थिति का जिम्मेदार कोई और नहीं बल्कि वहां कि सरकार की नीतियां ही जिम्मेदार है। परिवार को और बच्चों के पालन पोषण के लिए श्रीलंका में महिलाएं और लड़कियां देह व्यापार के रास्ते पर चल पड़ी हैं। कोलंबो हवाई अड्डे के पास एक रिहायसी इलाके में आयुर्वेदिक स्पा का विज्ञापन लगा हुआ था। जब वहां काम करने वाली एक महिला से बात की गई तो उसने बताया कि देश की सरकार ने उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी है। उस महिला ने कहा कि परिवार और बच्चों का पेट भरने के लिए हमारे पास यही काम आखिरी उम्मीद है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई परिवारों की नई उम्र की लड़कियां भी अब इस रास्ते पर चल पड़ी हैं। इसमें कई कॉलेज जाने वाली छात्राएं भी हैं। इन छात्राओं का कहना है कि फीस देने के लिए हमारे पास पैसे नहीं हैं और मजबूरी में इस रास्ते को अपनाना पड़ रहा है। बीते कुछ महीनों में देश में देह व्यापार के रास्ते पर आने वाली लड़कियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट बताती है कि पहले इस धंधे को देश में पेशेवर वेश्याएं ही करती थी, लेकिन आर्थिक संकट के बाद अब कम उम्र की लड़कियां भी इस रास्ते को अपना रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार इस समय श्रीलंका में स्पा की आड़ में तेजी से देह व्यापार का धंधा हो रहा है। करीब 40 हजार लड़कियां इस समय यह काम कर रही हैं। इनमें से आधे से ज्यादा लोग तो राजधानी कोलंबो में ही काम कर रही हैं। राजधानी के पॉश इलाकों में कई ऐसे मसाज सेंटर हैं जहां 24 घंटे देह व्यापार का काम चलता है।

चीन में एक राकेट कैरियर शेनझो स्पेसक्राफ्ट और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रवाना हुआ।

अंतरिक्ष में खुद का स्पेस स्टेशन बना रहा है चीन, तीन अंतरिक्ष यात्रियों का दल रवाना

बीजिंग/जिउक्वान। चीन ने पृथ्वी का चक्कर लगा रहे अपने अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा करने के उद्देश्य से तीन अंतरिक्षयात्रियों के दल को छह महीने के मिशन पर रविवार को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा। अंतरिक्षयात्रियों चेन डोंग, लियू यांग और काई शुझे के साथ शेनझोउ-14 अंतरिक्ष यान को उत्तर पश्चिमी चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। इसके कुछ ही मिनट बाद पृथ्वी पर स्थित नियंत्रण कक्ष के अधिकारी ने मिशन को सफल घोषित किया और बताया कि अंतरिक्षयान अपनी निर्धारित कक्षा में पहुंच गया है। तियानगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए तीनों अंतरिक्षयात्री ग्राउंड टीम (पृथ्वी पर तैनात दल) के साथ सहयोग करेंगे। इसे एकल-मॉड्यूल संरचना से तीन मॉड्यूल वाली एक राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला में विकसित किया जाएगा, जिसका मुख्य (कोर) मॉड्यूल तियानहे और दो प्रयोगशाला मॉड्यूल - वेंटियन और मेंगटियन होंगे। इस प्रक्षेपण का देशभर में सीधा प्रसारण किया गया। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के उप निदेशक लिन शिकियांग ने शनिवार को घोषणा की कि यह मिशन अंतरिक्ष स्टेशन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष वेधशाला में बदल देगा। लिन ने प्रक्षेपण से पहले संवाददाता सम्मेलन में बताया कि शेनझोउ-14 से भेजे जा रहे अंतरिक्ष यात्री कोर मॉड्यूल के साथ दो प्रयोगशाला मॉड्यूल के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए ग्राउंड टीम के साथ काम करेंगे। उन्होंने बताया कि वे पहली बार दो प्रयोगशाला में प्रवेश करेंगे और अपने रहने के लिए वातावरण को अनुकूल बनाएंगे।

क्या होने वाली है इमरान खान की हत्या? हाई अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हत्या की साजिश रचने की अफवाह बहुत आग की तरह फैल रही है। बता दें कि इस अफवाह के बाद से इस्लामाबाद से सटे सभी इलाकों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और साथ ही सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इस्लामाबाद पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को जानकारी दी है कि इलाकों में धारा 144 लागू कर दी गई और सभी प्रकार के प्रदर्शन, सभाओं पर रोक लगा दिया गया है। वहीं इमरान खान के आवास बानी गाला के आसपास के इलाकों में भी कड़े सुरक्षा के इंतजाम कर दिए गए है।

इस्लामाबाद पुलिस के कानून के मुताबिक इमरान खान को पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। इस साल के शुरूआत में इमरान खान सत्ता से बेदखल हो गए थे और अब वह दावा कर रहे है कि उनकी हत्या की साजिश रची जा रही है। इस्लामाबाद पुलिस ने अपने ट्वीट में कहा, 'पीटीआई चेयरमैन इमरान खान की बानी गाला में संभावित वापसी को देखते हुए आवासीय परिसर के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। हालांकि अब तक इस्लामाबाद पुलिस को इमरान खान की टीम की ओर से उनकी वापसी की कोई पुख्ता खबर नहीं मिली है।'

इमरान पर हमला मतलब पाकिस्तान पर हमला?

इमरान खान के भतीजे हसन नियाजी ने कहा है कि अगर इमरान खान को कुछ भी हुआ तो इसे पाकिस्तान पर हमला माना जाएगा। वहीं फवाद चौधरी ने कहा कि इमरान रविवार को इस्लामाबाद लौट सकते हैं। चौधरी ने अप्रैल में दावा किया था कि इमरान खान की हत्या की साजिश रची जा रही है और उनकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है।

जब अल्लाह चाहेगा तब आएगी मौत

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता फैसल वावड़ा ने दावा करते हुए बताया कि इमरान खान की हत्या की साजिश रची गई थी। उन्होंने बताया कि इमरान खआन को रैल के दौरान बुलेटप्रुफ चश्मे पहनने की सलाह दी गई थी लेकिन इमरान खान ने कहा था कि मेरी मौत तब आएगी जब अल्लाह चाहेगा। पाकिस्तान का अखबार डान के मुताबिक इन खबरों के आने के बाद से इमरान खान की सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

यूक्रेन घटनाक्रम : संयुक्त राष्ट्र ने कहा, खाद्य निर्यात पर बातचीत सकारात्मक रही

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र ने शुक्रवार को कहा कि बढ़ते खाद्य संकट के बीच कृषि निर्यात पर एक समझौते तक पहुंचने के संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के तहत मानवीय प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने रूसी अधिकारियों के साथ 'स्पष्ट और रचनात्मक चर्चा' की। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने संवाददाताओं से कहा कि ग्रिफिथ्स ने बुधवार और बृहस्पतिवार को विदेश मामलों और रक्षा मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, जिसमें काला सागर पर यूक्रेन के बंदरगाहों से वैश्विक बाजारों में अनाज और अन्य खाद्य पदार्थों के निर्यात को सुविधाजनक बनाने के तरीकों पर चर्चा हुई। व्यापार और विकास मामलों की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन ने रूस की राजधानी की सोमवार को यात्रा की जिसके बाद ये बैठकें हुईं, जो वैश्विक बाजारों में रूसी अनाज और उर्वरक उपलब्ध करने पर केंद्रित रहीं। दुजारिक ने शुक्रवार को कहा कि 'मने विभिन्न देशों से बहुत सारी सकारात्मक टिप्पणियां देखी हैं।' दुजारिक ने पुष्टि की कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने रूस के करीबी सहयोगी बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको से निर्यात मुद्दों के बारे में शुक्रवार को बात की। रूस-यूक्रेन युद्ध में प्रमुख घटनाक्रमः - घातक रहस्यः इलेक्ट्रॉनिक अस्त्र रूस-यूक्रेन युद्ध को आकार दे रहे हैं। - विश्लेषकों का मानना है कि रूस 100 दिनों के युद्ध के बाद यूक्रेन में अभी और दिन टिक रह सकता है। - एपी की तस्वीरेंः पश्चिमी कंपनियों के बाहर निकलने के बाद रूसी मॉल आधे-खाली। - अमेरिका और सहयोगीः यूक्रेन अपराधों के लिए रूस को जवाबदेह ठहराया जाए। - रूस के रूढ़िवादी नेता यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों से बचे। अन्य घटनाक्रम मॉस्को - रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को अमेरिका और यूरोप को उन ऊर्जा समस्याओं के लिए दोषी ठहराया, जिनका वे सामना कर रहे हैं।

ब्रिटेन- महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के शासन के 70 साल पूरे, प्रिंस चार्ल्स और बेटे प्रिंस विलियम ने किया सम्मानित

लंदन (एजेंसी)

राजशाही की परंपरा का निर्वाह कर रहे ब्रिटेन में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के शासन के 70 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित चार-दिवसीय प्लैटिनम जुबली समारोह के तीसरे दिन शनिवार को बकिंघम पैलेस के सामने एक विशेष संगीत कार्यक्रम में प्रिंस चार्ल्स और उनके बेटे प्रिंस विलियम ने महारानी को सम्मानित किया। इस दौरान खुले में आयोजित 'पार्टी एट द पैलेस' समारोह में करीब 22,000 लोग एकत्र हुए, जिनके सामने डायना रॉस, रॉक बैंड क्वीन, डुरान डुरान, एलिसिया कीज और अन्य कलाकारों ने प्रस्तुति दी। महारानी एजिलाबेथ (96) समारोह में शामिल नहीं हुई, लेकिन रिकॉर्ड किए गए वीडियो में उन्हें 'पैंडिंगटन बीयर' के एनिमेटेड संस्करण के साथ देखकर लोगों की भीड़ खुश हो गई। कॉन्सर्ट की शुरूआत में महारानी और 'पैंडिंगटन बीयर' के एक छोटे हास्य नाटक का वीडियो प्रदर्शित किया गया और कार्यक्रम के अंत में महारानी के पुत्र और पौत्र ने भाषण दिया। चार्ल्स ने अपने भाषण की शुरूआत में महारानी को 'महामहिम, मां' के रूप में संबोधित किया और फिर 'आजीवन निस्वार्थ सेवा' करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। महारानी ने सबसे बड़े पुत्र प्रिंस चार्ल्स ने बताया कि एलिजाबेथ ने किन नेताओं से मुलाकात की है और उनके शासनकाल में उन्हें शीत युद्ध की शुरूआत से लेकर सूचना के युग तक असीमित राजकीय पत्र मिले हैं। उन्होंने तेजी से बदलती इस दुनिया में ब्रिटेन और राष्ट्रमंडल को एकजुट करते हुए 'स्थिरता के प्रतीक' के रूप में अपनी मां की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। चार्ल्स ने कहा, आपने हमसे मुलाकात की और हमसे बात की। आप हमारे साथ हंसी और रोईं और सबसे जरूरी बात, आप इन 70 साल में हमारे साथ रहीं।

अमेरिका की चेतावनी के बाद भी अड़ा हुआ है उत्तर कोरिया, एक साथ किया 8 बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण

सियोल। (एजेंसी)

उत्तर कोरिया ने रविवार को समुद्र की ओर कम दूरी वाली आठ बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास सुनन इलाके से लगातार 35 मिनट से अधिक समय तक एक के बाद एक मिसाइलें दागी गईं। दक्षिण कोरिया की सेना ने हालांकि तुरंत यह नहीं बताया कि मिसाइलें कितनी दूर जाकर गिरीं, लेकिन कहा कि उत्तर कोरिया द्वारा अधिक मिसाइलें दागे जाने के कारण दक्षिण कोरिया की सेना ने निगरानी बढ़ा दी है। यह परीक्षण अमेरिकी विमानवाहक पोत रोनाल्ड रीगन द्वारा फिलीपीन सागर में दक्षिण कोरिया के साथ तीन दिवसीय नौसैनिक अभ्यास के समापन के एक दिन बाद हुआ है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के कार्यालय ने कहा कि उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार किम सुंग-हान परीक्षण पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाएंगे। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने परीक्षण

के बारे में जानकारी इकट्ठा करने और विमान तथा जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकतम प्रयास करने का आह्वान किया। हालांकि क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। अमेरिका की हिंद-प्रशांत कमान ने कहा कि वह उत्तर कोरिया के कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण से अवगत है, लेकिन इससे 'अमेरिकी कर्मियों या क्षेत्र, या हमारे सहयोगियों के लिए तत्काल खतरा नहीं है।' यह परीक्षण वर्ष 2022 में उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों के क्रम में 18वां है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की इस हठधर्मिता का उद्देश्य अमेरिका को आर्थिक और सुरक्षा रियायतों पर बातचीत करने के लिए मजबूर करना है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि ऐसे संकेत हैं कि उत्तर कोरिया उत्तर-पूर्वी शहर पुंगये-री में अपने परमाणु परीक्षण केन्द्र में और तैयारी कर रहा है। उत्तर कोरिया के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के विशेष दूत सुंग किम ने शुक्रवार को कहा कि वाशिंगटन अपने एशियाई सहयोगियों के साथ निकट समन्वय में 'सभी आकस्मिक परिस्थितियों के लिए तैयारी कर रहा है'। उत्तर कोरिया के नए परमाणु परीक्षण करने की स्थिति में अमेरिका ने अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए जाने पर जोर दिया है, लेकिन इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कदम उठाए जाने की संभावनाएं कम दिखाई देती हैं। किम का यह दबाव अभियान ऐसे वक्त आया है जब देश घातक कोविड-19 के प्रकोप और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपकरणों की कमी से जूझ रहा है। कोविड-19 रोधी टीके मुहैया कराने की संयुक्त राष्ट्र समर्थित पहल 'कोवैक्स वितरण कार्यक्रम' चलाने वाली गैर-लाभकारी संस्था गावी ने शुक्रवार को कहा कि उसे पता चला है कि उत्तर कोरिया ने सहयोगी चीन से टीकों की पेशकश को स्वीकार कर लिया है और खुराक देना शुरू कर दिया है। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि उत्तर कोरिया को किस टीके की कितनी खुराक मिली या देश टीकाकरण कैसे कर रहा है।

मलेरिया को नियंत्रित करने की लड़ाई में कृत्रिम प्रकाश एक नया हथियार बन सकता है

प्रिटोरिया (दक्षिण अफ्रीका)

दुनिया अभी तक मलेरिया के खिलाफ जंग नहीं जीत पाई है। यद्यपि 2000 के बाद मलेरिया के मामलों की संख्या 1,000 की आबादी पर लगभग 81.1 मामलों से घटकर 59 मामले प्रति हजार तक आ गई है, इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर 2020 में मलेरिया के अनुमानित तौर पर 24 करोड़ मामले सामने आए और छह लाख लोगों की मौत हुई। पूरे अफ्रीका में मलेरिया एक खतरा बना हुआ है।

दुनिया में सबसे अधिक 94 प्रतिशत मलेरिया के मामले और 96 प्रतिशत मौत अफ्रीका महाद्वीप में होती हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से 80 फीसदी मौत के शिकार पांच साल या इससे कम उम्र के बच्चे होते हैं। संतुष्ट होने की कोई गुंजाइश नहीं है।

यद्यपि टीकों से आशा जगती है, लेकिन विशेष रूप से पूर्वी अफ्रीका में मलेरिया-रोधी दवा प्रतिरोध में लगातार वृद्धि हो रही है। परजीवी नित नए स्वरूप बदल रहे हैं, जिससे नियमित जांच में वे पकड़ में नहीं आते। मच्छरों में भी कीटनाशकों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो रही है। यह स्थिति विभिन्न रोगवाहक कीटाणुओं के नियंत्रण विकल्पों में तेजी लाने और नयी रणनीतियों की तलाश करने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

मेरा अनुसंधान एक ऐसी संभावित रणनीति की पड़ताल करता है जिसके तहत मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों की प्रजातियों को चकमा देने के लिए कृत्रिम रोशनी का उपयोग किया जाता है, जिससे रात में दिन जैसा प्रतीत होता है। यह लोगों को मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के डंक से सुरक्षित रखने में मदद करेगा। मेरे अपने सहित नए अनुसंधानों में यह तर्क दिया गया है कि रात में कृत्रिम प्रकाश मच्छरों के व्यवहार को किस प्रकार बदल सकता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि घरों में इस्तेमाल होने वाली कृत्रिम रोशनी मच्छरों के जीव विज्ञान को बदल सकती है।

उदाहरण के लिए, प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) रोशनी का एक मामूली स्पंदन एनोफिल मच्छरों को घंटों तक डंक मारने से रोक सकता है और इस प्रकार मच्छरों के काटने और मलेरिया फैलने की दर कम हो सकती है। ये विचार आशाजनक जरूर हैं, लेकिन रोगवाहक कीटाणुओं को नियंत्रित करने की रणनीति हमेशा बड़े पैमाने पर काम नहीं करती है, खासकर अगर उन रणनीतियों को ठीक से लागू न किया जाए तो।

उदाहरण के तौर पर, कभी-कभी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में मच्छर रोधी मच्छरदानियों का इस्तेमाल मछली पकड़ने के जाल के रूप में किया जाता है। नियंत्रित प्रयोगशाला सेटिंग्स में कृत्रिम प्रकाश के प्रभावों का प्रदर्शन करना एक बात है, लेकिन एक प्रभावी वेक्टर नियंत्रण रणनीति के रूप में उनका उपयोग करना बिलकुल अलग है।

भले ही सरकारें मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों से बचाव के लिए कई घरों में आसानी से एलईडी लाइट लगा सकती हैं, लेकिन इसके मानव स्वास्थ्य के लिए अनपेक्षित परिणाम भी हो सकते हैं। अनुसंधान का एक बढ़ता हुआ निकाय मानव स्वास्थ्य पर कृत्रिम प्रकाश के प्रभावों की जांच कर रहा है। शुरूआती संकेत हैं कि इससे नींद में खलल जैसे नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।

कुल मिलाकर, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि मलेरिया संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए कृत्रिम रोशनी का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है, लेकिन इस मुद्दे पर काम बढ़ने से पता चलता है कि यह एक अवधारणा है, जिस ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य समूहों का अधिक ध्यान आकृष्ट करना चाहिए।

सार समाचार

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस दूसरी बार हुए कोरोना से संक्रमित, महाराष्ट्र में बढ़ रहे केस

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और वह गृह पृथक-वास में हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता फडणवीस इससे पहले भी अक्टूबर 2020 में संक्रमित हुए थे। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को एक ट्वीट में कहा, 'मेरी कोविड-19 जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई है और गृह पृथक-वास में हूं। डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवा और उपचार ले रहा हूं। जो लोग मेरे संपर्क में आए हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपनी जांच कराएं। सभी अपना ख्याल रखें।' इससे पहले, जब फडणवीस 2020 में संक्रमित हुए थे, तब उन्होंने एक सरकारी अस्पताल में इलाज कराया था।

जम्मू के सतवारी पुलिस थाने में लगी भयानक आग, वाहन जलकर हुए खाक

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में रविवार को जम्मू क्षेत्र के सतवारी पुलिस स्टेशन में भीषण आग लग गई। पुलिस थाने में भीषण आग की लपटें देखी जा सकती हैं, थाने में जब्त और हिरासत में लिए गए सभी वाहनों में भी आग लग गई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है, जबकि अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। गनीमत रही कि थाने में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गए और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। खबरों के मुताबिक, 5 मई यानि की रविवार की सुबह लगभग 2 बजे आग लगी जिसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा जब्त किए गए वाहनों में भी आग लग गई। भीषण आग ने पूरे थाने को अपनी चपेट में ले लिया। फायर ब्रिगेड को तुरंत मौके पर भेजा गया और उसके बाद 30-40 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू से जांच की जाएगी।

ममता बनर्जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले व्लॉगर के खिलाफ मामला दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बारे में फेसबुक लाइव पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में व्लॉगर रोहुर रॉय के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रवक्ता रिजू दत्ता द्वारा चितपुर थाने में की गई शिकायत के बाद भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'मामले में जांच शुरू कर दी गई है, रॉय को जांच के तहत तलब किया गया है।' अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अक्सर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने वाले रॉय ने फेसबुक लाइव के दौरान मुख्यमंत्री और टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। रॉय ने गायक केके के अंतिम संगीत कार्यक्रम में कुप्रबंधन के लिए सत्तारूढ़ दल को दोषी ठहराया।

वियतनाम के तीन दिवसीय दौरे पर रवाना होंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए बुधवार को वियतनाम के तीन दिवसीय दौरे पर रवाना होंगे। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि यात्रा के दौरान राजनाथ वियतनाम को 12 हाई-स्पीड गार्ड नौकाएं भी सौंपेंगे। इन नौकाओं का निर्माण भारत द्वारा वियतनाम को दिए गए दस करोड़ डॉलर के रक्षा ऋण के तहत किया गया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 'यह परियोजना वियतनाम के साथ बढ़ते रक्षा सहयोग के संदर्भ में महत्वपूर्ण है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया', 'मेक फॉर द वर्ल्ड' दृष्टिकोण को दर्शाती है।' यात्रा के दौरान राजनाथ अपने वियतनामी समकक्ष जनरल फान वान गियांग के साथ व्यापक बातचीत करेंगे। उनका वियतनाम के राष्ट्रपति गुयेन जुआन फुक और प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन के साथ मुलाकात करने का भी कार्यक्रम है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, 'हाई फोंग के होंग हा बंदरगाह पर राजनाथ वियतनाम को 12 हाई स्पीड गार्ड नौकाएं सौंपने से जुड़े कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, जिनका निर्माण भारत सरकार द्वारा दिए गए दस करोड़ डॉलर के रक्षा ऋण के तहत किया गया है।' राजनाथ न्हा ट्रांग में दूरसंचार विश्वविद्यालय सहित वियतनाम के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों का भी दौरा करेंगे, जहां भारत से मिले 50 लाख डॉलर के अनुदान के जरिये एक आर्मी सॉफ्टवेयर पार्क की स्थापना की जा रही है। मंत्रालय के अनुसार, 'भारत-वियतनाम के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 साल और भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर रक्षा मंत्री की वियतनाम यात्रा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग तथा व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने में मदद करेगी।

कांग्रेस शासित राज्य ईंधन की कीमतों में कमी क्यों नहीं कर रहे : ईरानी

रायपुर। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को सवाल किया कि केंद्र सरकार द्वारा ईंधन की कीमतों में कमी कर लोगों को राहत देने के बाद कांग्रेस शासित राज्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कमी क्यों नहीं कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान ईरानी ने गांधी परिवार पर भी हमला बोला और दावा किया कि परिवार ने अमेठी के विकास के लिए कुछ नहीं किया, जबकि यह क्षेत्र 50 वर्षों से उनका गढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की दरों में नौ रुपए और सात की कमी की और लोगों को राहत सुनिश्चित करने के लिए एक लाख करोड़ रुपए का बोझ वहन किया। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर दो सौ रुपए की छूट दी गई। मुफ्त (कोविड रोधी) टीके, मुफ्त राशन और इसी तरह के कई मानवीय कदम राष्ट्र के हित में उठाए गए। कांग्रेस शासित राज्य क्यों (ईंधन की) कीमतें कम नहीं कर रहे हैं। अमेठी पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में ईरानी ने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा, 50 साल तक अमेठी में एक खानदान की मिल्कियत रही है। इसका परिणाम यह है कि वर्ष 2014 से पहले वहां के 80 प्रतिशत घरों में बिजली और शौचालय नहीं थे। यहां तक कि कलेक्ट्रेट कार्यालय भी नहीं था।' ईरानी ने कहा, 'राहुल गांधी विश्व का भ्रमण करते हैं और अमेठी में पहला पासपोर्ट कार्यालय प्रधानमंत्री मोदी और तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने स्थापित किया। अमेठी जो कभी गांधी परिवार का गढ़ था, वहां हाल के चुनावों में पांच विधानसभा सीट में से चार पर कांग्रेस के उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी।' ईरानी ने शनिवार को अपने एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान रायपुर में एक बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की तथा आंगनबाड़ी केंद्र का दौरा किया। ईरानी ने बाद में भाजपा प्रदेश कार्यालय में महिला मोर्चा के सम्मेलन को संबोधित भी किया।

'मिट्टी बचाओ आंदोलन' कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी, गंगा किनारे बनाया जाएगा नैचुरल फॉर्मिंग का एक विशाल कॉरिडोर

नई दिल्ली (एजेंसी)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में 'मिट्टी बचाओ आंदोलन' पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसी के साथ पीएम मोदी रविवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए वैश्विक पहल 'लाइफस्टाइल फार द एनवायरनमेंट मूवमेंट' का भी शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इस कार्यक्रम में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स भी शामिल होंगे। इस आंदोलन को पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल ग्लासगो में COP26 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन के दौरान पेश किया था।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में, विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को पर्यावरण की गिरावट के बारे में जागरूकता बढ़ाने और बेहतर भविष्य बनाने में मदद करने के लिए वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय 'केवल एक पृथ्वी' है। यह स्टॉकहोम में 1972 के सम्मेलन का नारा भी था, जहां पहली बार 5 जून को वार्षिक वैश्विक कार्यक्रम की स्थापना की गई थी।सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बधाई देशवासियों को बधाई दी। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं। सद्गुरु और ईशा फाउंडेशन आज बधाई के पात्र हैं, मार्च में इनकी संस्था ने मिट्टी बचाओ आंदोलन की शुरूआत की थी और 27 देशों से होते हुए उनकी यात्रा 75वें दिन यहां पहुंची। पीएम मोदी ने आगे कहा ₹मुझे संतोष है कि देश में पिछले 8 साल से जो योजनाएं चल रही है, सभी में किसी न किसी रूप से पर्यावरण संरक्षण का आग्रह है।पर्यावरण रक्षा के भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं। भारत ये प्रयास तब कर रहा है जब जलवायु परिवर्तन में भारत की भूमिका न के बराबर है₹।

मिट्टी को बचाने के लिए 5 चीजों पर किया जाए फोकस

मिट्टी को बचाने के लिए पीएम मोदी ने पांच प्रमुख बातों का उल्लेख किया। उन्होंने 5 चीजों पर फोकस करते हुए बताया कि पहला- मिट्टी को केमिकल फ्री कैसे बनाएं। दूसरा- मिट्टी में जो जीव रहते हैं उन्हें कैसे बचाएं। तीसरा- मिट्टी की नमी को कैसे बनाए रखें, उस तक जल की उपलब्धता कैसे बढ़ाएं।चौथा- भूजल कम होने की वजह से मिट्टी को जो नुकसान हो रहा है, उसे कैसे दूर करें और पांचवा, वनों का दायरा कम होने से मिट्टी का जो लगातार क्षरण हो रहा है, उसे कैसे रोकें। पीएम मोदी ने विदेशी स्तर भारत के प्रदर्शन को लेकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने CDRIऔर इंटरनेशनल सोलर अलायंस के निर्माण का नेतृत्व किया है। पिछले वर्ष भारत ने ये भी संकल्प लिया है कि भारत 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करेगा।

किसानों के लिए चलाया जा रहा बड़ा अभियान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि पहले हमारे देश के किसान के पास इस जानकारी का अभाव था कि उसकी मिट्टी किस प्रकार की है, उसकी मिट्टी में कौन सी कमी है, कितनी कमी है। इस समस्या को दूर करने के लिए देश में किसानों को मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड देने का बहुत बड़ा

अभियान चलाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि हम कैच द रेन जैसे अभियानों के माध्यम से जल संरक्षण से देश के जन-जन को जोड़ रहे हैं। इस साल मार्च में ही देश में 13 बड़ी नदियों के संरक्षण का अभियान भी शुरू हुआ है। इसमें पानी में प्रदूषण कम करने के साथ-साथ नदियों के किनारे वन लगाने का भी काम किया जा रहा है।

बनाया जाएगा नैचुरल फॉर्मिंग का एक विशाल कॉरिडोर

पीएम मोदी ने ऐलान करते हुए कहा कि इस साल के बजट में हमने तय किया है कि गंगा के किनारे बसे गांवों में नैचुरल फार्मिंग को प्रोत्साहित करेंगे, नैचुरल फॉर्मिंग का एक विशाल कॉरिडोर बनाएंगे। इससे हमारे खेत तो कैमिकल फ्री होंगे ही, नमामि गंगे अभियान को भी नया बल मिलेगा।

भारत ने पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का हासिल किया लक्ष्य

इसके साथ ही पीएम मोदी ने बताया कि आज भारत ने पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। आपको ये जानकर भी गर्व की अनुभूति होगी, कि भारत इस लक्ष्य पर तय समय से 5 महीने पहले पहुंच गया है।

मिस्र के बाद तुर्की ने भी 55,000 टन गेहूं को 'सड़ा' बताकर लेने से किया मना

नई दिल्ली। (एजेंसी)

मिस्र के बाद तुर्की ने भी भारत को झटका देते हुए यहां के गेहूं को लेने ले मना कर दिया है। गेहूं के निर्यात से जुड़े मामले में अब एक नया मोड़ आया है। अब अफ्रीकी देश मिस्र ने करीब 55,000 टन गेहूं को अपने यहां एंट्री देने से मना कर दिया। मूल रूप से इस गेहूं को तुर्की जाना था। रॉयटर्स ने मिस्र के प्लांट क्वारंटीन चीफ अहमद अल अत्तर के हवाले से खबर दी है कि 55,000 टन गेहूं को लेकर आ रहे जहाज को मिस्र में प्रवेश करने से पहले ही मना कर दिया गया। वहीं तुर्की क्वारंटीन अथॉरिटीज पहले ही इस जहाज के आने पर रोक लगा चुकी हैं।

तुर्की ने भारतीय गेहूं में रूबेला वायरस पाए जाने की शिकायत को लेकर इस खेप को लेने से मना कर दिया था। उसके बाद इसे मिस्र भेज दिया गया। हालांकि, तुर्की को भेजी गई गेहूं की खेप सीधे भारत से निर्यात नहीं की गई थी। इसे भारतीय कंपनी आईटीसी लिमिटेड ने नीदरलैंड स्थित एक कंपनी को बेच दिया था। उसके बाद ये तुर्की पहुंचा था। बाद में खबर आई कि इस खेप को मिस्र के एक व्यापारी ने खरीदा है और जहाज अब गेहूं को लेकर इस अफ्रीकी देश की ओर रवाना हो गया है। अब रॉयटर्स ने खबर दी है कि मिस्र ने भी इस गेहूं को 'नो एंट्री' का बोर्ड दिखा दिया है। एक अलग खबर में भारत सरकार ने पुष्टि की है कि वह मिस्र को गेहूं का निर्यात करने के लिए कस्टम क्लियरेंस मिलने का इंतजार करेगा। इससे पहले तुर्की के गेहूं को वापस लौटाने पर खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने गुरुवार को कहा था कि गेहूं की खेप को भारत से रवाना करने से पहले क्वारंटीन और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं को पूरा किया गया था। उन्होंने कहा था कि गेहूं की खेप लेने से इनकार करने पर अभी तुर्की के अधिकारियों से बात नहीं हो पाई है।

हालांकि मिस्र दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं आयातक देश है। मई में ही मिस्र के खाद्य आपूर्ति मंत्री अली मोसेलही ने भारत से 5 लाख टन गेहूं सीधे खरीदने की डील की थी। ये डील सामान्य टेंडर प्रक्रिया से अलग होनी थी, लेकिन इस पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। इससे पहले अप्रैल में मिस्र के कृषि मंत्रालय ने भारत से गेहूं के आयात को अनुमति दे दी थी। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से दुनियाभर में गेहूं की मांग और आपूर्ति का अंतर बिगड़ गया है। इसका असर मिस्र पर भी पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूरोपीय संघ (ईयू) के गेहूं की कीमत लगभग 43 रुपये प्रति किलो है, जबकि भारतीय गेहूं 26 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रहा है। दोनों के बीच कीमतों में 17 रुपये प्रति किलो का अंतर है।

हाल में भारत ने 13 मई को गेहूं के निर्यात पर बैन लगा दिया था। इससे पहले ही भारत ने तुर्की के लिए गेहूं की 56,000 टन की खेप को मंजूरी दे दी थी। वहीं मिस्र के खाद्य मंत्री अली मोसेलही ने भी साफ किया था कि भारत और मिस्र के बीच हुई डील पर इस बैन से कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि ये बैन दो सरकारों के बीच आयात-निर्यात पर असर नहीं डालते हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ को 50वें जन्मदिन पर पीएम मोदी और राजनाथ सिंह ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अपना का 50वां जन्मदिन मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर सीएम योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने लिखा- 'यूपी के गतिशील मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की बधाई। उनके कुशल नेतृत्व में राज्य ने प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुआ है। उन्होंने राज्य के लोगों के लिए जनहितैषी शासन सुनिश्चित किया है। लोगों की सेवा में उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'मुख्यमंत्री पूरी ताकत और रणनीति से नए उत्तर प्रदेश के निर्माण में लगे हैं। आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। प्रदेश की जनता के कल्याण और विकास के लिए वह समर्पित भाव से अथक परिश्रम कर रहे हैं।' बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने भी मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट किया, 'उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई। मैं उनके लंबे जीवन की कामना करती हूं।' मुख्यमंत्री का जन्मदिन अयोध्या के राम कथा पार्क में मनाया जाएगा। इस मौके पर 5,100 किलोग्राम का केक काटा जाएगा। कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि कार्यक्रम में पांच लाख लोगों की भीड़ शामिल होगी।

पंजाब की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाएगी भाजपा: शाह

चंडीगढ़ (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पंजाब की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाएगी और 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। शाह ने कोर ग्रुप के सदस्यों, पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों सहित प्रदेश भाजपा नेताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, भाजपा राज्य की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाएगी..जो कोई भी हमसे हाथ मिलाना चाहता है, उसे एक छोटा भागीदार बनना होगा और जो लोग भाजपा में आना चाहते हैं, उनका भी हम स्वागत करेंगे। शाह ने धर्म और लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए पंजाब के लोगों के ऐतिहासिक बलिदानों को भी याद किया।

उन्होंने कहा, मैं पंजाब के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि केंद्र सरकार और देश पंजाब के हर नागरिक के साथ खड़ा है और पंजाब में संकट की इस स्थिति को और खराब नहीं होने दिया जाएगा। शाह ने पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि सिर्फ तीन महीनों में उसका चेहरा सामने आ गया है।

'किसी भी धर्म का अपमान करने वालों के खिलाफ है भाजपा', नुपुर शर्मा के बयान से पार्टी ने किया किनारा !

नई दिल्ली (एजेंसी)

भाजपा नेता नुपुर शर्मा की एक आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर अल्पसंख्यक समुदाय नाराज दिखाई दे रहा है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नुपुर शर्मा के बयान से किनारा किया है। भाजपा ने नुपुर शर्मा का नाम लिए बिना एक बयान जारी किया। जिसमें कहा कि पार्टी किसी भी धर्म का अपमान करने वालों के खिलाफ है। भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि भारत के हजारों वर्षों के इतिहास में प्रत्येक धर्म फला-फूला है। भाजपा सभी धर्मों का सम्मान करती है। भाजपा किसी भी धर्म के किसी भी धार्मिक व्यक्ति के अपमान की कड़ी निंदा करती है। भाजपा भी किसी भी संप्रदाय या धर्म का अपमान या अपमान करने वाली किसी भी विचारधारा के खिलाफ है। भाजपा ऐसे लोगों

को बढ़ावा नहीं देती है। बयान में आगे कहा गया कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद के किसी भी धर्म का पालन करने और हर धर्म का मान-सम्मान करने का अधिकार देता है। बयान में कहा गया कि जब भारत आजादी का 75वां वर्ष मना रहा है, ऐसे में हम भारत को एक महान देश बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहां सभी समान हैं और सभी लोग सम्मान के साथ रहते हैं। जहां सभी भारत की एकता और अखंडता के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां सभी विकास का आनंद लेते हैं।

दरअसल, भाजपा नेता नुपुर शर्मा ने हाल ही में एक टीवी चैनल पर पैगंबर मोहम्मद को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक बयान दिया था। जिसको लेकर अल्पसंख्यक समुदाय खासा नाराज है और नुपुर शर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। हालांकि भाजपा द्वारा जारी किए गए बयान में नुपुर शर्मा का जिक्र नहीं किया गया है।

गौरतलब है कि नुपुर शर्मा के बयान को लेकर कानपुर में जुमे की नमाज के बाद दुकानें बंद कराए जाने के बाद दो समुदाय आपस में टकरा गए। जिसके बाद विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि पत्थरबाजी के साथ-साथ कई राउंड गोलियां तक चलीं। जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और इलाके में अतिरिक्त पुलिसबल की तैनाती की गई।

आप ने कश्मीरी पंडितों की हत्याओं को लेकर जन आक्रोश रैली आयोजित की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

आम आदमी पार्टी (आप) ने कश्मीर में 'कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाकर की जा रहीं हत्याओं' के मामलों में हाल में हुई बढ़ोतरी के खिलाफ रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर रैली आयोजित की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रैली में कहा, 'कश्मीरी पंडितों को अपने घर छोड़कर जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है और 1990 के दशक में जो हुआ था, वही दोहराया जा रहा है।' उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा मुहैया कराने में नाकाम रही है तथा इस मामले पर कई बैठकें की गईं और अब हर कोई कश्मीर को लेकर कार्य योजना के बारे में जानना चाहता है।

केजरीवाल ने मांग की कि कश्मीरी पंडितों के साथ हस्ताक्षरित वे प्रतिज्ञा पत्र रद्द किए जाएं, जिनमें कहा गया है कि वे कश्मीर के बाहर काम नहीं कर सकते। उन्होंने मांग की कि कश्मीरी पंडितों की मांगें पूरी की जाएं, उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाए और घाटी के लिए कार्य योजना पेश की जाए। उन्होंने साथ ही कहा, 'हम पाकिस्तान को बताना चाहते हैं कि वह तुच्छ राजनीति करना बंद करे। कश्मीर हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा।' केजरीवाल ने कहा कि भाजपा कश्मीर को नहीं संभाल सकती, उसे केवल गंदी राजनीति करना आता है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और विधायकों सहित 'आप' के कई नेता एवं कार्यकर्ता 'जन आक्रोश रैली' में शामिल हुए तथा उन्होंने भाजपा विरोधी नारे लगाए। कश्मीर में आतंकवादी समूहों, खासकर लश्कर-ए-तैयबा ने हाल में लक्षित रूप से आठ लोगों की हत्या की है, जिनमें गैर मुसलमान, सुरक्षाकर्मी, एक कलाकार और स्थानीय आम नागरिक शामिल हैं।

आतंकवादियों ने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के चडूरा इलाके में 12 मई को कश्मीरी पंडित राहुल भट की हत्या कर दी थी। उसके बाद से सैकड़ों कश्मीरी पंडित प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री पैकेज के तहत 2012 में नौकरी पर रखे गए कश्मीरी पंडित सामूहिक पलायन की धमकी दे रहे हैं। कश्मीर में दो जून को एक बैंक कर्मचारी और एक ईंट भट्ठा मजदूर की हत्या कर दी गई थी, जबकि एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। इससे पहले, जम्मू क्षेत्र के सांबा जिले की एक महिला शिक्षक की 31 मई को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के एक स्कूल में आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। संजय सिंह ने रैली में कहा कि 1990 के दशक में भाजपा समर्थित सरकार सत्ता में थी और अब जब कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर जाने के लिए 'मजबूर किया' जा रहा है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में है। 'आप' ने मांग की कि कश्मीरी पंडितों को पर्याप्त सुरक्षा दी जाए और उनकी आवाज को सुना जाए। पार्टी पिछले कुछ सप्ताह से कश्मीरी पंडितों को 'निशाना बनाकर की जा रहीं हत्याओं' के मामलों को उठा रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों ने कश्मीर की स्थिति को लेकर भाजपा पर हमला किया है और हत्या के मामलों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन से जवाब मांगा है। रैली से पहले सिसोदिया ने ट्वीट किया, 'यह दौर कश्मीर के इतिहास के सबसे बुरे दौर में गिना जाएगा। लक्षित रूप से लोगों की हत्या के मामले रोकने में भाजपा पूरी तरह विफल हो चुकी है। कश्मीर की हवा में दहशत एवं आतंक फैल गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

प्रधानमंत्री ने दी 'पीएम यशस्वी योजना' की भेंटः मुख्यमंत्री

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को गांधीनगर में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से शुरू की गई 'पीएम यशस्वी' (पीएम यंग अचीवर्स स्कॉलरशिप अवार्ड स्कीम फॉर वाइब्रेंट इंडिया) योजना को लॉन्च करते हुए साफ कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आठ वर्षों के सफल सुशासन में सामाजिक न्याय और अधिकारिता सरकार का कार्यमंत्र बन गया है। इन आठ वर्षों में लोगों ने सर्वसमावेशी, सर्वग्राही और पारदर्शी सुशासन का बेहतरीन उदाहरण देखा है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने समाज के वंचित, पिछड़े वर्ग, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग और डी-नोटिफाइड जनजाति के बच्चों-छात्रों को विभिन्न शिक्षा सहायता योजनाओं का लाभ एक छतरी के नीचे प्रदान करने की पहल

शिक्षा सहायता की विभिन्न योजनाओं का लाभ एक छतरी तले प्रदान करने के लिए

की है। इतना ही नहीं, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश के लाखों छात्रों की समुचित शिक्षा तथा करियर निर्माण के लिए यह योजना बहुत उपयोगी साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार तथा राज्य के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार, राज्य मंत्री आर.सी. मकवाणा तथा केंद्रीय सचिवों की उपस्थिति में इस योजना को लॉन्च किया। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री सहित महानुभावों ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के लाभार्थियों को ऋण प्रमाण पत्र प्रदान किए तथा पीएम यशस्वी योजना से संबंधित पुस्तिका का विमोचन किया। इस मौक पर भूपेंद्र पटेल ने कहा कि पीएम यशस्वी योजना के परिणामस्वरूप छात्रों को सहायता व छात्रवृत्ति के लिए सिंगल पॉइन्ट कॉन्टेक्ट सहायता उपलब्ध होगी, साथ ही देशभर में मूलभूत पाठ्यक्रम और शिक्षा के स्तर को बरकरार रखने में भी अहम मदद मिलेगी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को विकास की नींव करार देते हुए कहा कि गुजरात प्रत्येक बालक और युवा को उत्तम शिक्षा मुहैया कराकर शिक्षा क्षेत्र में भी रोल मॉडल बनना चाहता है।

निर्माणाधीन बिल्डिंग अवैध & मंजूरी और आरोग्य के साथ खिलवाड़

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आसपास में रहने वाले लोग और आने जाने वाले आम जनता स्वस्छ सुरत ,सुंदर सुरत का यह एक नजराना

सुरत, सुरत महानगर पालिका में शहेरी विकास विभाग, आरोग्य विभाग की लापरवाही का नमूना सचिन के सूडा सेक्टर 1,2,3विवादास्पद सुडा के कार्यकाल से होने के बावजूद आज भी अवैध & मंजूरी कार्य से जनता परेशान हो रही जनता. परप्रांतियों आपने काम-धंधा की खोज में सुरत आते है जिससें उन्हें रोजगार मिल सके. रोटी-कपड़ा और मकान के चले इस क्षेत्रों में रहने वाले कामदार होने से अवैध बिल्डिंग बना कर भाड़े की आमदानी खड़ी करते हैं लेकिन साथ में सरकार श्री की तोजोरी में भी नुकसान करते है, बिना मंजूरी की अवैध बिल्डिंग बना कर अधिकारी के साथ सेटिंग.COM कर काम पूरा करते नजर आते हैं, नियम अनूसार बनी सभी बिल्डिंग के मकान का मिल्कत टेक्स वसूली करने का कार्य भी विभाग के द्वारा किया जाने चाहिए जिसमें अनेक प्रकार की सेटिंग.COM की परिभाषा में कार्य होने के बाद कर्मचारी से लेकर अधिकारी नियमित अपने पद का दुरुपयोग करते नजरअंदाज करते नजर आते है.

यह अधिकारी जाँच के बाद ही पता चलेगा की किस प्रकार की कार्यवाही अधिकारी ऑफिस से करते हैं या स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही करते नजर आएगें.

शहर में रथयात्रा की तैयारियां हुई शुरू रूट के जर्जरित मकानों की मरम्मत कराने की नोटिस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर में अगले महीने निकलने वाली भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। रथयात्रा के रास्ते में आनेवाले जर्जरित मकानों की अतिशीघ्र मरम्मत कराने की महानगर पालिका की ओर से नोटिस जारी किया गया है। कोरोना महामारी के चलते 2020 में अहमदाबाद में रथयात्रा नहीं निकाली गई। पिछले साल यानी 2021 में भगवान नगर भ्रमण को निकले जरूर थे, लेकिन उसमें लोगों को शामिल होने की इजाजत नहीं थी। इस वर्ष कोरोना काफी हद तक नियंत्रण है और इसलिए आगामी रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावनाओं को देखते हुए पुलिस-प्रशासन हरकत में आ गया है। रथयात्रा अषाढी दूज को निकलती है और इस वर्ष 1 जुलाई 2022 को अषाढी दूज है। रथयात्रा के आडे महज 25 दिन रह गए हैं। मंदिर संचालक विधि और भगवान के श्रृंगार की तैयारियां कर रहे हैं। पुलिस भी सुरक्षा व्यवस्था की तैयारयों में व्यस्त है। दूसरी ओर अहमदाबाद महानगर पालिका ने रथयात्रा के रूट स्थित जर्जरित मकान हो या छतों को गिराने या उनकी अतिशीघ्र मरम्मत कराने की नोटिस जारी की है। महानगर पालिका प्रशासन ने मध्य जोन के 283 उत्तरी जोन में 142 जर्जरित मकानों को ये नोटिस जारी किए गए हैं। महानगर पालिका की स्थायी समिति के प्रमुख हितेश बारोट ने बताया कि रथयात्रा के रूट में जो मकान जर्जरित हो चुके हैं, उनके गिराने या मरम्मत कराने की नोटिस जारी की गई है।

एस्टेट विभाग द्वारा रूट में आनेवाले मकानों की गैलरी या झरोखों की मरम्मत कराने की नोटिस के साथ ही रथयात्रा के दिन ऐसी गैलरी में किसी को प्रवेश नहीं करने देने का आदेश दिया गया है।

कहीं मौसी तो कहीं मामा के बेटे ने बहन से किया दुष्कर्म भाई-बहन के पवित्र रिश्तों को लांछन लगाती दो घटनाएं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,शहर के वेजलपुर क्षेत्र में दुष्कर्म की दो घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें दो अलग अलग युवकों ने बहनों के साथ दुष्कर्म किया। पकड़े गए आरोपियों में एक सगी मौसी का बेटा है तो दूसरा मामा पुत्र होने का खुलासा हुआ है। वेजलपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार मामले की जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के वेजलपुर क्षेत्र में रहनेवाली 19 वर्षीय युवती पर उसकी मौसी का बेटा प्रेमसंबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। लेकिन युवती उसकी बातों में नहीं आई। जनवरी में युवती को अपनी मोटर साइकिल पर बिठाकर युवक अपने साथ ले गया। बाद में कार में युवती को लेकर चोटीला पहुंचा और वहां की एक होटल में उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। जिसके बाद युवती को बदनाम करने की धमकी देने लगा। एक बार युवती को लेकर बगोदरा स्थित अपने निवास पहुंचा और परिवार को बताया कि वह उससे शादी करना चाहता। लेकिन परिवार ने ऐसा करने से इंकार कर दिया। परिवार के इंकार करने के बाद भी युवक ने युवती को तीन महीनों तक अपने साथ रखा और शादी की लालच देकर उसके साथ बलात्कार करता रहा। बाद

में युवती को लेकर युवक अहमदाबाद आ गया और यहां भी करीब डेढ़ महीने तक दुष्कर्म किया। युवती अगर शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करती तो युवक उसके साथ मारपीट करता था। दूसरी ओर युवती के पिता ने अपनी बेटी के लापता होने की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवाई थी। जिसके आधार पर पुलिस ने पीड़ित युवती के सगी मौसी के भाई को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। ऐसी ही दूसरी घटना भी वेजलपुर पुलिस थाने में दर्ज हुई है। जिसमें मामा के बेटे ने बहन के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित युवती सफाईकर्मी है। युवती के मामा के बेटे ने शादी की लालच देकर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया।

मामला तब पुलिस थाने पहुंच गया जब युवक ने पीड़िता से शादी करने से इंकार कर दिया। वेजलपुर पुलिस ने पीड़िता के मामा के बेटे को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।